www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 208 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
20 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasan-
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:07
सूर्यास्तः 05:34
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 18°00



विशेष समाचार

आस्था के सैलाब..>> पेज 04 | लखीमपुर में बेटे ने मां बाप को ... >>पेज 06 | टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग ... >> पेज 07

सीएम योगी का महानवमी-दशहरा संदेश, योगी ने कन्या पूजन किया, पैर धोकर टीका लगाया

'अन्यायी कितना भी शक्तिशाली हो अंत में विजय सत्य धर्म की होती है'

योगी ने कहा कि शारदीय नवरात्रि में हर जिले में दुर्गा पूजा पंडाल सजाए जाते हैं और घरों में कलश स्थापित किए जाते हैं। नवमी पर कन्या पूजन के जरिए मातृशक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त किया जाता है।



गोरखपुर में नवरात्रि के नवमी पर सीएम योगी ने कन्याओं का पूजन किया और पांव पखारे।

मां और मातृभूमि के प्रति निष्ठा का दिया संदेश

सीएम योगी ने अपनी पाती में प्रभु श्रीराम के जीवन आदर्शों का उल्लेख करते हुए मां और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम समरसता और सामाजिक एकात्मता के प्रतीक हैं। आज भी रामलीला के मंचन में समाज के सभी वर्ग बिना किसी भेदभाव के एकजुट होकर शामिल होते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि प्रभु श्रीराम के आदर्श केवल भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सांस्कृतिक परंपराओं और जीवनशैली में भी गहरे रचे-बसे हैं।

उधर, मिर्जापुर के मां विंध्यवासिनी धाम में अब तक 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर चुके हैं। वहीं, वाराणसी के माता सिद्धिदात्री मंदिर में 5 से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। जौनपुर के चौकियां धाम में भी भक्तों की भीड़ उमड़ी।

संदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर/ मिर्जापुर/ सहारनपुर । शारदीय नवरात्रि की नवमी पर यूपी के मंदिरों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में गोरक्षपीठाधीश्वर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कन्या पूजन किया।

11 कन्याओं और बटुक के पांव पखारे, चुनरी ओढ़ाकर तिलक लगाया। उनका आशीर्वाद लिया और फिर अपने हाथों से भोजन परोसकर खिलाया। इसके बाद सबको गिफ्ट दिए। सीएम योगी ने बच्चियों से बातचीत भी की। इसके पहले योगी ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की।

महानवमी के अगले दिन मंगलवार (20 अक्टूबर) को गोरक्षपीठ में विजयादशमी पर्व पर नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार दिनभर अनुष्ठान होता है। अनुष्ठान की शुरुआत मंगलवार सुबह 9:35 बजे सीएम योगी, गुरु गोरखनाथ की विशेष पूजा-अर्चना से करेंगे। इसके बाद मंदिर परिसर के देव विग्रहों का पूजन होगा। दोपहर 1 से 3 बजे तक गोरक्षपीठाधीश्वर का तिलकोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें वह श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देंगे। >> (शेष पेज 06 पर)

कन्या पूजन में शामिल होने पहुंची यशस्विनी अपने हाथों से बनाई तस्वीर लेकर आई थी। तस्वीर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी मां की छवि थी। यशस्विनी ने बताया कि यह पोस्टर उसने खुद बनाया है। उसने कहा कि आज यहां कन्या पूजन हो रहा है। मुख्यमंत्री के पास अपनी बनाई तस्वीर लेकर पहुंचना उसके लिए खास अनुभव रहा।

मां विंध्यवासिनी धाम में नया कॉरिडोर बनने से श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी

कन्या पूजन के बाद सीएम योगी ने कहा कि मां विंध्यवासिनी धाम में नया कॉरिडोर बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। कल 25 लाख से अधिक लोगों ने दर्शन-पूजन किया, जबकि आज भी 20 से 25 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। देवी पाटन, सहारनपुर के मां शाकंभरी पीठ और सीतापुर के ललिता देवी शक्तिपीठ में भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं।उन्होंने कहा कि गोरखनाथ मंदिर की परंपरा के तहत कन्या पूजन और उन्हें भोजन कराने का अवसर मिलना उनका सौभाग्य है। मां भगवती का नौवां स्वरूप मां सिद्धिदात्री सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करने वाला है। कन्या पूजन सनातन धर्म में मातृशक्ति के प्रति सर्वोच्च सम्मान की अभिव्यक्ति है।

समाज में नशा, भ्रष्टाचार, अराजकता, असुरक्षा और आतंकवाद की कोई जगह न हो

CM योगी ने कहा- समाज में नशा के लिए कोई जगह न हो, समाज में भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह न हो, अराजकता के लिए कोई जगह न हो, असुरक्षा और आतंकवाद के लिए कोई जगह न हो। >> (शेष 06 पर)



अहंकार और नकारात्मकता रूपी रावण के दहन का आह्वान

विजयादशमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता से एक विशेष अपील भी की। उन्होंने कहा कि इस पर्व पर केवल पुतला दहन तक सीमित न रहकर, समाज और जीवन से अहंकार, अन्याय, भेदभाव और नकारात्मकता रूपी रावण को समाप्त करने का दृढ़ संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सत्य और धर्म के पथ पर चलते हुए प्रदेश निरंतर प्रगति और खुशहाली के नए आयाम स्थापित करेगा।

आशुतोष-सौरव की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाई गई

सीजेपी का रिहाई में जानबूझकर देरी का आरोप

पेशी

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली । दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ा दी गई है। सोमवार को दोनो के मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के सामने पेश किया गया था। पुलिस ने दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसे मजिस्ट्रेट ने मंजूर कर लिया। अब उन्हें बुधवार को फिर से पेश किया जाएगा। दोनों 14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं। आरोप है कि उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था।

सीजेपी बोली- रिहाई पर सुनवाई की बजाय धमकी भरे मैसेज पर चर्चा की

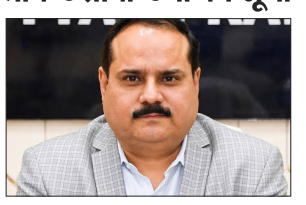
>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी की वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट नामों पर बवाल

राजनीतिक दल ने सौंपी डुप्लीकेट प्रविष्टियों की सूची

बहस

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में डुप्लीकेट प्रविष्टियों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद भी मतदाता सूची में एक ही व्यक्ति के नाम की दोहरी प्रविष्टियां मौजूद होने का मामला सामने आया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने स्वीकार किया है कि ऐसी प्रविष्टियां अब भी मौजूद हैं और उन्हें हटाने की प्रक्रिया जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, एक प्रमुख राजनीतिक दल ने मतदाता सूची में कथित डुप्लीकेट प्रविष्टियों की सूची सौंपते हुए दावा किया है कि इनकी संख्या लाखों में है।

एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में डुप्लीकेट प्रविष्टियां मिलने की बात स्वीकार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने रात एक बजे एक्स पर दी सफाई

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

'सलमान खान माफी मांगें', लॉरेंस बिश्नोई के भाई रमेश बिश्नोई का बयान

नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग की घटना ने मुंबई ही नहीं देशभर का दिल दहला दिया है. इंड्स्ट्री के स्टार्स सदमे में आ गए हैं. राजनीतिक गलियारों से लेकर सिनेमा जगत में हलचल तेज हो गई है।

अलर्ट सतर्क

जयपुर में ओले गिरे एमपी के 11 जिलों में बारिश

नई दिल्ली । राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर बना हुआ है। जयपुर और अजमेर में रविवार को कई इलाकों में बारिश हुई और ओले भी गिरे। वहीं, पिछले 24 घंटे में मध्य प्रदेश के इंदौर-उज्जैन समेत 11 जिलों में बारिश हुई। उत्तराखंड में ठंड का असर बढ़ने लगा है। मसूरी और नैनीताल में न्यूनतम तापमान 12C से नीचे दर्ज किया जा रहा है। केदारनाथ और बद्रीनाथ में तापमान माइनस में है। तमिलनाडु के कोयंबटूर और चेन्नई में भारी बारिश हो रही है, जिससे शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने आगे भी भारी बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है।

अवकाश की सूचना

20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को दशहरा के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र वितरक बंधुओं एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को दशहरा के उपलक्ष्य में 'तमसा संकेत' कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 22 अक्टूबर 2026, गुरूवार को प्रकाशित होगा।

— संपादक

मेटा एल्गोरिदम का रिव्यू करे हिंसा भड़काने वाला कंटेंट रोकें

यूजर्स को एकतरफा नैरेटिव वाला कंटेंट मिल रहा : सरकार

सलाह

तमसा संकेत, एजेंसी



दिल्ली । सरकार ने मेटा से इंस्टाग्राम और फेसबुक के एल्गोरिदम का रिव्यू करने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि यूजर्स को एकतरफा नैरेटिव वाला कंटेंट मिल रहा है । मंत्रालय ने यह सलाह 10 अक्टूबर को जारी की, हालांकि इसकी जानकारी सोमवार को सामने आई। इसमें मेटा से सार्वजनिक व्यवस्था बिगाड़ने, हिंसा भड़काने या गैरकानूनी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली सामग्री पर जांच मजबूत करने को कहा गया है। दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी ने इसी दिन दिल्ली में प्रदर्शन बुलाया था। 7 हजार लोगों को हिरासत में लिया गया था। मंत्रालय ने मेटा से कहा है कि चल रहे सार्वजनिक कार्यक्रमों से जुड़े फोटो, वीडियो, ग्राफिक्स और अन्य कंटेंट के साथ पर्याप्त संदर्भ दिया जाए। खासकर ऐसे मामलों में संदर्भ देना जरूरी है, जहां यूजर्स कंटेंट की असलियत, तारीख, जगह या परिस्थितियों का आसानी से पता नहीं लगा सकते।

मंत्रालय के आदेश कहा- कंटेंट क्यों दिखा रहे, ये भी बताएं

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में मेट्रो स्टेशन में घुसा संदिग्ध

नई दिल्ली । दिल्ली के जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर संदिग्ध बैग लेकर भागने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को CISF जवानों ने तुरंत पकड़ लिया। घटना CCTV में कैद हुई है। घटना 18 अक्टूबर की है, जानकारी आज सामने आई है।

CCTV फुटेज में दिख रहा है कि व्यक्ति मेट्रो स्टेशन के सिक्योरिटी चेकिंग एरिया में पहुंचकर अपना बैग एक्स-रे स्कैनिंग के लिए रखता है। स्कैनिंग के दौरान बैग में एक संदिग्ध और घनी वस्तु दिखाई दी। जांच में सोने जैसा पाउडर मिला। इसके बाद व्यक्ति फोन पर बात करते हुए महिलाओं के सिक्योरिटी स्कैनिंग जोन की ओर बढ़ता है। उस समय वहां कोई महिला यात्री नहीं थी। अचानक व्यक्ति काला बैकपैक लेकर भागने लगता है। वह महिलाओं के फ्रिस्किंग जोन से होते हुए एस्केलेटर की तरफ भागता है। CISF जवान 8 सेकेंड में सीढ़ियां चढ़कर व्यक्ति को एग्जिट गेट नंबर-1 पर पकड़ लेता है।

18 साल पहले 70 मिनट में हुए थे 21 धमाके, 56 लोगों की हुई थी मौत

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस एक दोषी की फांसी पर रोक

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी



स्पेशल कोर्ट ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

जांच के दौरान पुलिस ने दावा किया कि धमाकों के पीछे आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन और प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया से जुड़े लोगों का हाथ था। इसे 2000 के दशक में बनाया गया था।

अहमदाबाद। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों के मामले में दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी की सजा पर रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने तनवीर की याचिका पर सुनवाई की।

तनवीर ने गुजरात हाईकोर्ट के 7 जुलाई के फैसले को चुनौती दी थी। गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई, 2026 को सुनाए अपने फैसले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के 38 दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखी थी। 26 जुलाई 2008 को अहमदाबाद के अलग-अलग इलाकों में करीब 70 मिनट के भीतर 21 बम धमाके हुए थे। इन हमलों में 56 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। >> (शेष पेज 06 पर)

7 जुलाई, 2026 को गुजरात हाईकोर्ट ने सुनाई थी फांसी की सजा

इस मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने 7 जुलाई, 2026 को स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। विशेष अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया था।

तब्दील : लखनऊ के शिवा हत्याकांड में इंस्पेक्टर, डीसीपी के बाद अब एसीपी पर गिरी गाज

एसीपी हजरतगंज रजनीश वर्मा को हटाया गया

तमसा संकेत, एजेंसी



इन तीन अफसरों पर हुआ एक्शन

लखनऊ। करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में 50 हजार की इनामी मॉडल श्रद्धा दुबे का 10 दिन बाद भी सुराग न लग पाना लखनऊ पुलिस के गले की फांस बन चुका है। पुलिस की लचर कार्यशैली पर शासन और DGP मुख्यालय के बेहद सख्त रुख के बाद महकमे में भारी हलचल की स्थिति देखने को मिल रही है। सबसे पहले हजरतगंज थाने के इंस्पेक्टर विक्रम सिंह को लाइन हाजिर किया गया। फिर DCP सेंट्रल विक्रांत वीर के ट्रांसफर के बाद तीसरी बड़ी गाज ACP हजरतगंज रजनीश वर्मा पर गिरी है। 9 अक्टूबर को अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से गिरकर हुई शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत के बाद से आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि और चालक दानिश फरार हैं। लखनऊ पुलिस टीम लगातार दावा करती रही कि टीमें भारत-नेपाल सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। रुपईडीहा से गाड़ी बरामद कर ली गई है और नेपाल पुलिस के साथ मिलकर पगडंडियों पर तलाश चल रही है। मगर इस बीच पहले तो बुधवार को श्रद्धा ने अपना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कराया और इसके बाद 18 अक्टूबर को बेखौफ होकर मीडिया को ऑन-कैमरा बाइट तक दे डाली। जिस आरोपी तक लखनऊ की कई हाईटेक टीमें 10 दिन में नहीं पहुंच सकीं, वहां कैमरे आसानी से पहुंच गए, जिससे पुलिसिया तंत्र की पोल खुल गई । >> (शेष पेज 06 पर)

रजनीश वर्मा को पद से हटाकर एसीपी क्राइम बना दिया गया है। उनकी जगह एसीपी कैसरबाग अभिषेक कुमार पांडेय को हजरतगंज सर्किल का नया एसीपी बनाया गया है। आपको बता दें कि डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर को पद से हटाकर पुलिस मुख्यालय से अटैच करते हुए उनकी जगह डीसीपी ट्रैफिक रहे अर्पित विजयवर्गीय को डीसीपी सेंट्रल की नई जिम्मेदारी सौंपी थी।

नाकामी पर एक घंटे के भीतर नप गए अफसर

बीते रविवार को श्रद्धा दुबे के सरेंडर करने की जानकारियों ने लखनऊ की पुलिस को दिनभर शहर भर में दौड़ाया। सुबह करीब 10 बजे संदेश फैला कि श्रद्धा हजरतगंज थाने पहुंच रही है, जिस पर थाने से लेकर मीडिया तक का भारी जमावड़ा लग गया। दो घंटे के इंतजार के बाद सूचना बदली कि वह स्पेशल कोर्ट पहुंच रही है। इसके बाद कोर्ट परिसर में पुलिस टीमों को अलर्ट पर खड़ा कर दिया गया लेकिन रात आठ बजे तक वह कहीं नजर नहीं आई।

भारत न बांग्लादेश, न ही फ्रांस तुलना गलत : थरूर

रिजिजू बोले थे- विपक्ष साजिश रच रहा

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के सत्ता परिवर्तन कराने के आरोपों का जवाब दिया। थरूर ने कहा कि मेरा मानना है कि भारत बांग्लादेश नहीं है और भारत फ्रांस भी नहीं है। मुझे ये तुलना खास तौर पर प्रासंगिक नहीं लगती।

हम फ्रांस में हुई बसों और पुलिस स्टेशनों को आग लगाने जैसी किसी भी हिंसा को कभी सही नहीं ठहराएंगे। हम केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन में विश्वास करते हैं। मैंने भी इसी तरह के प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है और मेरा मानना है कि विपक्ष भी सामान्य तौर पर इसी का समर्थन करता है।

थरूर बोले- लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं

जहां तक बड़े मुद्दों की बात है, 'रिजीम चेंज' जैसे शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का कोई मतलब नहीं है। इसका किसी सरकार को गिराने या सत्ता परिवर्तन की कोशिश से कोई संबंध नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

सपा अध्यक्ष बोले- कहीं एक व्यक्ति के 10 वोट, चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर उठाए सवाल

एसआईआर के बाद भी वोटर लिस्ट में बड़ी गड़बड़ी : अखिलेश यादव

दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद भी वोटर लिस्ट में फर्जी और डुप्लीकेट प्रविष्टियां मौजूद हैं। कई जगह एक ही व्यक्ति के दो से लेकर 10 तक वोट दर्ज होने का दावा करते हुए उन्होंने इसे छोटी-मोटी नहीं, बल्कि बड़ी गड़बड़ी बताया। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जब पार्टी को चुनाव में हार का डर होता है, तो वह बेईमानी और वोटों की चोरी का सहारा लेती है। उन्होंने चुनाव आयोग पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप भी लगाया। सपा अध्यक्ष ने सवाल किया कि यदि विपक्ष और आम जनता चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हैं, तो भाजपा को इससे परेशानी क्यों होती है? सपा अध्यक्ष ने कहा कि मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनावों में कथित वोट चोरी के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी ने मतदाता सूची की अनियमितताओं और उपचुनावों में कथित धांधली को लेकर चुनाव आयोग से सबूतों के साथ शिकायतें की थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर आज देशभर में चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और कार्यप्रणाली पर सवाल क्यों खड़े हो रहे हैं। अखिलेश के इन बयानों के बाद मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर राजनीतिक बहस तेज होने के आसार हैं।



भाजपा पर बेईमानी का आरोप

चुनाव आयोग निष्पक्ष दिखे: अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसे किसी राजनीतिक दल के इशारे पर काम करने के बजाय निष्पक्ष तरीके से अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोग का काम केवल निष्पक्ष होना ही नहीं, बल्कि उसकी कार्यप्रणाली में निष्पक्षता दिखाई भी देनी चाहिए।



चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

सोमवार को गोमती नगर में पूर्व मंत्री विद्या चौधरी के आवास पर उनका हालचाल जानने पहुंचे अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि चुनाव आयोग ने भी मतदाता सूची में गड़बड़ियों की बात स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि आयोग इन्हें छोटी-मोटी गलतियां बता रहा है, जबकि उनके मुताबिक ये गंभीर अनियमितताएं हैं।

सात बच्चों के बाप ने पत्नी का पेट फाड़ दिया

गोरखपुर में हंसिया से किया जानलेवा हमला

तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर। गोरखपुर में घरेलू विवाद के दौरान सात बच्चों के पिता ने अपनी पत्नी पर हंसिया से हमला कर दिया। हमले में महिला का पेट फट गया। इससे उसकी आंत बाहर आ गईं। इसके अलावा सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें आई हैं। परिजन पुलिस की मदद से किसी तरह महिला की आंत बांधकर उसे BRD मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। वहां उसकी हालत नाजुक है।

घटना रविवार शाम करीब 5 बजे की है। आरोप है कि पति अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर पति ने हंसिया से पत्नी पर हमला कर दिया। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मामला गीडा थाना क्षेत्र के हरैया गांव का है।

हरैया गांव निवासी जलालुद्दीन उर्फ पंगूल (45) का रविवार शाम पत्नी साफिया से विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि जलालुद्दीन को पत्नी पर किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर कहासुनी के बाद उसने हंसिया से हमला कर दिया। हमले में साफिया का पेट फट गया, जिसे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल महिला को अस्पताल भिजवाया और आरोपी पति को हिरासत में ले लिया।

फास्ट न्यूज

बुजुर्ग को ट्रैफिक पुलिस ने सीपीआर देकर बचाया

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर में सोमवार दोपहर सीने में तेज दर्द उठने से एक बुजुर्ग सड़क पर बेसुध होकर गिर पड़े। उनकी हालत देखकर यातायात पुलिसकर्मी संजय सिंह और ऋषभ कुमार तुरंत मदद के लिए पहुंचे।

दोनों पुलिसकर्मियों ने बिना देर किए सड़क पर ही बुजुर्ग को CPR देना शुरू किया। कुछ देर की कोशिश के बाद बुजुर्ग की सांसें लौट आईं।

कानपुर में साइकिल गद्दी के कारखाने में भीषण आग

कानपुर । कानपुर के बाबूपुरवा में सोमवार दोपहर साइकिल गद्दी के कारखाने में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने कारखाने में रखे सामान को चपेट में ले लिया। लपटें उठती देख इलाके में हड़कंप मच गया।

कारखाना एक तीन मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर पर है। आग की लपटें पहली और दूसरी मंजिल तक पहुंच गईं, जहां परिवार रहता है। लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। सूचना पर किदवई नगर, फजलगंज फायर स्टेशन से चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

जेल से बाहर आए बदमाश ने पुलिस पर गोली चलाई

कानपुर। कानपुर में जेल से छूटकर आए एक बदमाश ने रविवार की रात पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। गोली उसके पैर में लगी। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। उसका एक साथ मौके से फरार हो गया। यह मामला घाटमपुर इलाके का है। जांच में सामने आया कि पुलिस पर गोली चलाने वाला बदमाश ट्रांसफार्मर से सामान और बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का सदस्य है।

एयर शो के लिए संवर रही काशी, दीवारों पर उकेरी जा रही गंगा घाटों की छटा

तमसा संकेत, संवाददाता

बाबतपुर एयरपोर्ट से नमो घाट तक मार्गों, भवनों, फ्लाईओवर और अंडरपास को सजाने-संवारने का काम जारी





वाराणसी। प्रस्तावित एयर शो के मद्देनजर योगी सरकार काशी को आकर्षक रूप देने के लिए शहर का व्यापक सौंदर्यीकरण करा रही है। बाबतपुर एयरपोर्ट से नमो घाट तक प्रमुख मार्गों, भवनों, फ्लाईओवर, अंडरपास और दीवारों को सजाने-संवारने का काम तेजी से चल रहा है। कहीं दीवारों पर गंगा की लहरें और घाटों के दृश्य उकेरे जा रहे हैं, तो कहीं भवनों पर सुबहे बनारस की झलक दिखाई देने की तैयारी है। स्ट्रीट लाइट, पेड़ों और पुलों पर आकर्षक रोशनी की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि एयर शो के दौरान शहर पहुंचने वाले लोगों को काशी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं की झलक मिल सके। नमो घाट मार्ग के डिवाइडर पर काशी की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के अनुरूप झंडे लगाए जाना प्रस्तावित है। इन झंडों पर भगवान शिव के डमरू, त्रिशूल और ॐ के प्रतीक होंगे। एयर शो के मद्देनजर शहर में हो रहे सौंदर्यीकरण के तहत इस सजावट के जरिए मार्ग को काशी की आध्यात्मिक परंपरा के अनुरूप आकर्षक रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

घाटों के दृश्य और सुबहे बनारस की झलक

वाराणसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुर्ण बोरा ने बताया कि काशी की पहचान उसकी समृद्ध विरासत, परंपरा और सांस्कृतिक विविधता से है। इसी को ध्यान में रखते हुए शहर को सजाया जा रहा है। एयरपोर्ट से नमो घाट तक के मार्गों पर पेंटिंग, म्यूरल आर्ट और आकर्षक लाइटिंग के माध्यम से काशी की सांस्कृतिक पहचान को उभारने का काम किया जा रहा है।दीवारों पर गंगा की लहरों, घाटों और गंगा तट के दृश्यों को उकेरा जा रहा है। वहीं, भवनों पर गंगा घाटों और सुबहे बनारस से जुड़े दृश्य दिखाई देंगे। मार्गों पर गंगा आरती के दृश्य और काशी की कला-संस्कृति से जुड़े चित्र भी देखने को मिलेंगे।

भजनों की अमृतवर्षा से भक्तिमय हुई रात, मां दुर्गा के दरबार में झांकियों ने मोहा मन

सत्यवान सागर के भजनों ने बांधा समां, झूमे श्रद्धालु

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज, बाराबंकी। मां दुर्गा की भक्ति में डूबे श्रद्धालु, भजनों की मधुर स्वर लहरियां और देवी-देवताओं के दिव्य स्वरूपों की मनमोहक झांकियां अल्लापुर रानीमऊ गांव में बुधवार की रात आस्था, भक्ति का ऐसा नजारा देखने को मिला, जहां माता रानी की महिमा का गुणगान करते भजनों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। जागरण में गूंजते माता रानी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को देर रात तक बांधे रखा। भक्ति गीतों के बीच कभी मां दुर्गा के जयकारे गूंजे तो कभी श्रद्धालु भजनों की धुन पर झूमते नजर आए। फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत अल्लापुर रानीमऊ गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में रविवार की रात भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। नव दुर्गा जागरण समिति की ओर से आयोजित भव्य जागरण में बाराबंकी के गायक सत्यवान सागर, सुभाष शर्मा और गायिका प्रियंका गुप्ता ने अपनी मधुर आवाज से ऐसा समां बांधा कि श्रद्धालु देर रात तक भजनों की धुन पर झूमते रहे। वहीं, लखनऊ से आए धनराज झांकी ग्रुप की आकर्षक धार्मिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की भव्यता में चार चांद लगा दिए। जागरण का शुभारंभ गायक सत्यवान सागर ने गणेश वंदना से किया। इसके बाद उन्होंने, 'सबसे ही प्रथम, सारे जगत में पूजा तेरी होरिया'..! 'जिंदगी संवारि देगी, माता रानी प्यार देगी'..! जैसे भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। सत्यवान सागर की सुरीली आवाज, सुरों पर शानदार पकड़ और भजन प्रस्तुत करने के अंदाज ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।



धार्मिक झांकियों ने किया भावविभोर

लखनऊ से आए धनराज झांकी ग्रुप के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक धार्मिक झांकियों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। श्रीगणेश, श्री राधा रानी-बांके बिहारी लाल, श्रीराम दरबार, हनुमान जी, शेर पर सवार मां अम्बे, भगवान शंकर-मां गौरा और मां काली की झांकियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कलाकारों की सजीव प्रस्तुति, आकर्षक वेशभूषा और मनमोहक सजावट ने धार्मिक प्रसंगों को जीवंत कर दिया। हर झांकी के साथ श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाकर अपनी आस्था प्रकट की। भजनों की मधुर गूंज, कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों और माता रानी के जयकारों के बीच पूरा परिसर भक्तिमय बना रहा।

काशी में स्कॉर्पियो खड़ी कर फोटो खींच रहे थे, ट्रक ने रौंदा, 2 युवक 30 फीट नीचे गिरे

ओवरब्रिज पर सेल्फी ले रहे, चार दोस्तों की मौत

दुर्घटना





हादसे से पहले

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में ओवरब्रिज पर स्कॉर्पियो रोककर सेल्फी ले रहे 4 दोस्तों की मौत हो गई। 4 की हालत गंभीर है। सभी विंध्याचल दर्शन कर काशी लौट रहे थे। सोमवार सुबह 6 बजे प्रयागराज-वाराणसी हाईवे (NH-19) के ओवरब्रिज पर गाड़ी रोक दी। गाड़ी खड़ी करके सभी बाहर निकल आए। ओवरब्रिज पर खड़े होकर तस्वीरें लेने लगे। अचानक तेज रफ्तार ट्रक पीछे से आया और स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि लाशें 25 फीट तक बिखर गईं। स्कॉर्पियो का आधा हिस्सा गायब हो गया। 3 दोस्तों के शव ओवरब्रिज पर, जबकि एक का शव 30 फीट नीचे गिर गया। एक युवक भी ओवरब्रिज के नीचे तड़पता मिला। हादसे से चंद मिनट पहले की एक तस्वीर सामने आई है। इसमें सभी स्कॉर्पियो (UP 65 EB 2199) को आगे खड़े हैं। यह इनकी आखिरी तस्वीर थी। इसके चंद मिनट बाद ही ट्रक इनको रौंदते हुए निकल गया। हादसे में आनंद यादव (25), आलोक मिश्रा (30), प्रदीप सिंह (36) और विद्वांशु यादव (30) की मौत हुई है। घायलों में सावन यादव (26), किशन यादव (35), राजकुमार यादव (35) और निखिल (32) शामिल हैं। सभी घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसा जिला मुख्यालय से 27 किमी दूर मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर गांव में हुआ।



हादसे के बाद

> निखिल के जन्मदिन पर सभी दोस्त विंध्याचल दर्शन करने गए थे। दर्शन करने के बाद सभी दोस्तों ने फोटो खिंचवाई। 7 लोग फोटो में दिख रहे हैं, जबकि 8वां दोस्त फोटो खींच रहा है।

ट्रक 80 से 90 की स्पीड में था, ड्राइवर भागा

पुलिस के मुताबिक, ट्रक भी प्रयागराज से वाराणसी की तरफ आ रहा था। उसमें सेब लदा था। ट्रक की स्पीड 80 से 90 किमी के बीच थी। यही वजह है कि ओवरब्रिज पर अचानक स्कॉर्पियो खड़ी देखकर ड्राइवर ट्रक संभाल नहीं पाया। पीछे से स्कॉर्पियो को टक्कर मार दी।

इससे स्कॉर्पियो करीब 30-40 मीटर तक आगे घिसटती चली गई। सभी 8 दोस्त भी गाड़ी के आसपास खड़े थे। ट्रक उनमें से 4 दोस्तों को रौंदता निकल गया, जबकि बाकी 4 दोस्त भी ट्रक की चपेट में आ गए।

हादसे के बाद करीब 200 मीटर दूर ड्राइवर ट्रक छोड़कर भाग गया। CCTV फुटेज की मदद से पुलिस ड्राइवर को ट्रेस करने में जुटी है। जांच में स्कॉर्पियो के अंदर प्रसाद के डिब्बे, नारियल और चुनरी मिली।

तीन साल बाद बरेका में फिर एक सिर वाला रावण

70 फीट का है पूर्वांचल का सबसे ऊंचा रावण

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । काशी में पूर्वांचल का सबसे ऊंचा रावण बनकर तैयार है। बरेका स्टेडियम में रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले को में खड़ा कर दिया गया। इस बार तीनों पुतलों की ऊंचाई पिछले साल के मुकाबले पांच-पांच फीट बढ़ाई गई है। रावण 70 फीट, कुंभकरण 65 फीट और मेघनाद का पुतला 60 फीट ऊंचा है। खास बात यह है कि तीन साल बाद बरेका में फिर एक सिर वाला रावण बनाया गया है। पिछले तीन साल से दस सिर वाला रावण बनाया जा रहा था, लेकिन उसके संतुलन में परेशानी आ रही थी। पिछले साल तेज बारिश के कारण पुतला और ज्यादा असंतुलित हो गया था। इसे देखते हुए इस बार फिर परंपरागत रूप से एक सिर वाला रावण बनाया गया है। बरेका के पीआरओ राजेश कुमार के मुताबिक, इस बार पुतलों को पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर भी ध्यान दिया गया है। रंगीन कागज की जगह कपड़े का इस्तेमाल किया गया है, ताकि पुतलों का स्वरूप आकर्षक होने के साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को भी कम किया जा सके। बरेका में बने दशान्नन को एक सिर है। पीआरओ राजेश कुमार के मुताबिक बरेका में परंपरागत रूप से एक सिर वाला रावण बनाया जाता रहा है। पिछले तीन साल से दस सिर वाला रावण बनाया जा रहा था, लेकिन उसका संतुलन बनाए रखने में परेशानी हो रही थी। पिछले साल तेज बारिश के कारण पुतला और ज्यादा असंतुलित हो गया था।

अपील : सपा अध्यक्ष ने एसआईआर से प्रभावित मतदाताओं की मदद करने की अपील की

24 अक्टूबर को बूथों पर मुस्तैद रहें पीडीए प्रहरी: अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता



फर्जी वोट जुड़ने से रोकने और असली मतदाताओं के नाम शामिल कराने पर दिया जोर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के सभी सजग और सक्रिय 'पीडीए प्रहरी' 24 अक्टूबर को भी मुस्तैद रहें और SIR के कारण परेशानी झेल रहे मतदाताओं की हर संभव मदद करें। पा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा जनता का भरोसा खो चुकी है और उसकी नीतियां नकारात्मक हैं। उन्होंने कहा कि किसान, नौजवान, महिलाएं और आम जनता भाजपा पर भरोसा नहीं कर रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव के दौरान जनता से झूठे वादे किए और सत्ता में आने के बाद लोगों को ठगा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्ता हाथ से निकलती देख भाजपा झूठ और बेईमानी का सहारा ले रही है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री समेत भाजपा नेतृत्व पर भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रदेश में भ्रष्टाचार, अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने जातिगत भेदभाव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विदेशियों को भी जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव की स्थिति देखने को मिल रही है।

बूथों पर सतर्क रहें सपा कार्यकर्ता

अखिलेश यादव ने पीडीए प्रहरियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथों पर सतर्क रहने को कहा। सपा अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं के नाम जुड़ने से रोकने के साथ वास्तविक मतदाताओं के नाम शामिल कराने में सहयोग किया जाए। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कार्यकर्ताओं को कथित बेईमानी से सावधान रहने की अपील भी की।

आगरा में किशोर का शव पेड़ से लटका मिला

आगरा। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्र में पुलिस लाइन रोड पर चित्रगुप्त स्कूल के पास सड़क किनारे पेड़ से किशोर का शव लटका मिला। राहगीरों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। मृतक की पहचान भरत के रूप में हुई है। जिसके पिता की इसी साल मार्च में मौत हो चुकी है। किशोर की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्र में पुलिस लाइन रोड पर चित्रगुप्त स्कूल के पास सड़क किनारे एक पेड़ से करीब 17 साल के किशोर का शव लटका मिला। राहगीरों की नजर शव पर पड़ी तो उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस के साथ एसीपी लोहामंडी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कारसेवक के मर्डर केस में उम्रकैद मिली थी, मुख्तार का करीबी भी रह चुका

भाजपा से चुनाव लड़ूंगा, एचसी ने जमानत दी : हत्यारा

तमसा संकेत, एजेंसी



जज सिद्धार्थ जज विनय कुमार द्विवेदी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कारसेवक की हत्या में दोषी की उम्रकैद पर रोक लगाते हुए उसे सोमवार को जमानत दे दी। नंदलाल राय उर्फ बबलू राय ने कोर्ट से कहा था कि वह भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता है।

जज सिद्धार्थ और विनय कुमार द्विवेदी ने कहा- सुप्रीम कोर्ट ने कई जन प्रतिनिधियों की सजा पर रोक लगाते हुए माना कि उनका वोटरों के प्रति एक कर्तव्य होता है। ऐसे में किसी नेता को सजा मिलती है और वह उस सजा (दोषसिद्धि) पर कानूनी रोक नहीं लगवा पाता, तो वह चुनाव लड़ने के अधिकार से हाथ धो बैठेगा।

दरअसल, नंदलाल राय राम मंदिर आंदोलन में सक्रिय सदस्य रहे प्रमोद कुमार निगम की हत्या मामले में दोषी था। वाराणसी कोर्ट ने अप्रैल, 2025 में इस मामले में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। नंदलाल कृष्णानंद राय हत्याकांड में भी गवाह था। वहीं, बाद में मुख्तार से करीबी के बाद वह गवाही से मुकर गया था। राय ने अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील दायर की थी। अपील लंबित रहने के दौरान राय की रिहाई की मांग करते हुए, उनके वकील ने दलील दी कि पीड़ित राजनीति में सक्रिय था। उसे केवल शक और अटकलों के आधार पर फंसाया गया। कैंट थाना क्षेत्र के हुकुलगंज के रहने वाले प्रमोद निगम की 17 जनवरी, 2017 की रात आठ बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

नंदलाल के वकील बोले- शक के आधार पर फंसाया गया

नंदलाल राय के वकील देवेंद्र देव गुप्ता और पीके सिंह ने हाईकोर्ट को बताया कि दोषी ठहराए जाने से पहले वह भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता थे। अब वह विधानसभा 2027 चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर, या संभव हुआ तो भाजपा की ओर से लड़ना चाहते हैं। इस पर विचार करते हुए, कोर्ट ने राय की सजा और दोषसिद्धि पर रोक लगा दी।

रात में खेत गए दंपती, सुबह मिले शव

घटना

मौत की गुत्थी उलझी, महिला के गले और शरीर पर गंभीर चोट के निशान

- पति के शरीर पर नहीं मिली बाहरी चोट
- पुलिस को जंगली जानवर के हमले का संदेह, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

बृजेंद्र वीर सिंह



तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। धान के खेत में पानी लगाने गए दंपती की रात में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार सुबह दोनों के शव गांव के बाहर चकरोड किनारे मिले। महिला के गले, पीठ और पैर पर गंभीर चोट के निशान थे, जबकि पति के शरीर पर बाहरी चोट के निशान नहीं मिले। पुलिस जंगली जानवर के हमले की आशंका जता रही है। वहीं, परिजनों और ग्रामीणों को घटना में अनहोनी का संदेह है। मौत की असल वजह जानने के लिए पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मालीपुर क्षेत्र के आजनपारा गांव निवासी विष्णु लाल (45) रविवार रात करीब नौ बजे पत्नी द्रोपदी (39) के साथ धान के खेत में पानी लगाने गए थे। खेत में पानी खोलने के बाद दोनों घर लौट आए। रात करीब एक बजे वे दोबारा खेत की ओर निकले। इसके बाद दोनों घर नहीं पहुंचे। सोमवार सुबह करीब छह बजे शौच के लिए निकले एक ग्रामीण ने खेत से लगभग 50 मीटर दूर चकरोड किनारे दोनों के शव पड़े देखे। खबर मिलते ही गांव में हलचल मच गई। विष्णु लाल के पिता रामकेवल समेत परिवार के लोग और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। एसपी प्राची सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया जंगली जानवर के हमले में मौत होने की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, दंपती की मौत की परिस्थितियां स्पष्ट नहीं हैं। जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत की वजह सामने आने की उम्मीद है।

डीएफओ जगदंबा प्रसाद के निर्देश पर टीम पहुंची। जांच के दौरान सियार जैसे किसी जानवर के पगचिह्न मिलने की बात सामने आई। इनके नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। हालांकि, पगचिह्नों के आधार पर अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दंपती की मौत कैसे हुई।

पुलिस के साथ वन विभाग ने भी खंगाला घटनास्थल

सूचना पर सीओ जलालपुर अनूप कुमार सिंह, थाना प्रभारी तनुज पाल, फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड मौके पर पहुंचे। टीम ने घटनास्थल की जांच कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस की ओर से जंगली जानवर के हमले की आशंका जताए जाने के बाद वन विभाग की टीम ने भी जांच की।

महिला के गले पर गंभीर चोट, पति के शरीर पर कोई निशान नहीं

परिजनों के मुताबिक, विष्णु लाल के शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं था। द्रोपदी की गर्दन के पिछले हिस्से में गंभीर चोट थी और वहां से रक्तस्राव हो रहा था। महिला की पीठ और पैर के कुछ हिस्सों पर भी गंभीर क्षति मिली। शवों की स्थिति को देखते हुए परिजन और ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं। हालांकि, मामले में अभी कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

एनटीपीसी टांडा में 40 फुट के रावण का होगा दहन

20 अक्टूबर को शाम पांच बजे शुरू होगा आयोजन, एनटीपीसी टेवा क्लब की तैयारियां तेज

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। दशहरे पर एनटीपीसी टांडा का रामलीला मैदान रामलीला और रावण दहन का साक्षी बनेगा। मंगलवार, 20 अक्टूबर को शाम पांच बजे से होने वाले आयोजन में करीब 40 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन आकर्षण का केंद्र रहेगा। एनटीपीसी टेवा क्लब की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। आयोजकों के अनुसार, रावण का पुतला जिले के सबसे बड़े पुतलों में शामिल होगा।

कार्यक्रम में रावण दहन प्रमुख आकर्षण रहेगा। रामलीला के जरिए भगवान राम के आदर्शों और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ लोगों को दशहरे के महत्व से जोड़ना है। कार्यक्रम में एनटीपीसी टांडा के परियोजना प्रमुख राजीव कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन उनके मार्गदर्शन और मानव संसाधन विभाग के प्रमुख रजनीश खेतान की देखरेख में कराया जा रहा है। एनटीपीसी टेवा क्लब के जनरल सेक्रेटरी सुनील पाल, प्रेसिडेंट एवं एनटीपीसी के एजीएम सतीश कुमार नूने, वाइस प्रेसिडेंट महेश कुमार और ट्रेजरर ध्यानचंद सहित क्लब की टीम आयोजन को सफल बनाने में जुटी है। टीम के सदस्य अपनी नियमित जिम्मेदारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों में योगदान दे रहे हैं।

फास्ट न्यूज

महाअष्टमी पर दुर्गा पंडालों में उमड़ी भीड़, डांडिया पर झूमे बच्चे

अंबेडकरनगर। महाअष्टमी पर जलालपुर नगर के दुर्गा पूजा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मां दुर्गा की महाआरती, ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्ति गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय रहा। कई पंडालों में महाआरती के साथ निशुल्क भंडारे का आयोजन किया गया। नगर के विभिन्न पूजा पंडालों को रंग-बिरंगी रोशनी, एलईडी बल्ब, झूमर और सजावटी फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

बहन के जन्मदिन पर बुजुर्गों के बीच बांटी खुशियां

अंबेडकरनगर। जन्मदिन की खुशियां अपनों के साथ मनाने की परंपरा के बीच जिले के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं अमित ट्रेडर्स के संचालक अमित गुप्ता ने अपनी छोटी बहन का जन्मदिन बुजुर्गों के बीच मनाकर सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की। वह अकबरपुर के दहीरपुर स्थित वृद्धाश्रम पहुंचे और वहां रह रहे बुजुर्गों को फल व मिष्ठान वितरित कर उनके साथ खुशियां साझा कीं। वृद्धाश्रम में इस दौरान आत्मीयता और अपनत्व का माहौल रहा। अमित गुप्ता ने बुजुर्गों के बीच समय बिताया और उन्हें फल-मिष्ठान भेंट किए। निजी खुशी के अवसर को सेवा से जोड़ने की इस पहल को लोगों ने संवेदनशील प्रयास के रूप में देखा।

15 लीटर की टंकी में 19 लीटर पेट्रोल भरने का आरोप

अंबेडकरनगर। महरुआ के सरहरी स्थित आरएम फिलिंग स्टेशन पर पेट्रोल भरवाने के दौरान कथित गड़बड़ी का मामला सामने आया है। एक बजाज पल्सर-150 बाइक में 2000 रुपये का पेट्रोल भरने पर निर्धारित क्षमता से अधिक मात्रा की गणना सामने आने का दावा किया गया है। इससे पेट्रोल पंप की मशीन की रीडिंग और माप की शुद्धता पर सवाल उठ रहे हैं।

तमसा संकेत में खबर छपते ही सहतु गंज मार्ग के गड्ढे भरने शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। नेशनल हाईवे-128 से सहतु गंज जाने वाले मार्ग की बदहाली को लेकर तमसा संकेत समाचार पत्र में खबर प्रकाशित होने के बाद सड़क के कुछ गड्ढों की मरम्मत कराई गई है। लंबे समय से परेशानी झेल रहे राहगीरों को इससे राहत मिलने की उम्मीद जगी है। हालांकि, मार्ग के कई हिस्सों में अब भी सुधार की जरूरत है। करीब दो किलोमीटर लंबा यह मार्ग दलालपुर निजामपुर से इमामपुर क्षेत्र होते हुए सहतु गंज तक जाता है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने से राहगीरों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही थी। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से समस्या और बढ़ जाती थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले गड्ढों में ईंटें डाली गईं और बाद में पत्थर की गिट्टी डालकर मरम्मत की गई थी। तमसा संकेत में सड़क की बदहाली का मुद्दा उठाए जाने के बाद कुछ स्थानों पर गड्ढे भरने का काम हुआ। 19 अक्टूबर को सामने आई तस्वीरों में मरम्मत के निशान दिखाई दिए। हालांकि, कई जगह गिट्टी बिखरी होने और सड़क की सतह असमान होने से अभी पूरे मार्ग को दुरुस्त किए जाने की जरूरत है। सड़क की स्थिति में सुधार की पहल के बाद स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग शेष खराब हिस्सों की भी मरम्मत कराएगा।

- **लंबे समय से बदहाल सड़क की समस्या उठाए जाने के बाद कुछ स्थानों पर हुई मरम्मत, पूरे मार्ग के दुरुस्त होने की जगी उम्मीद**

आठ चौराहों पर तीसरी नजर, 80 लाख से सुरक्षित होगा अकबरपुर

तमसा संकेत, संवाददाता

सेफ सिटी योजना के तहत कैमरे लगाने का काम शुरू



अंबेडकरनगर। शहर में अपराध पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए अकबरपुर के आठ प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। करीब 80 लाख रुपये की लागत से होने वाला यह काम सेफ सिटी योजना के तहत कराया जा रहा है। कैमरों के जरिए अब प्रमुख चौराहों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। नगर पालिका कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाने की भी तैयारी है।

नगर पालिका ने पहले चरण में पटेलनगर, फव्वारा तिराहा, न्योतारिया, दोस्तपुर चौराहा, गौहन्ना चौराहा, पहितीपुर चौराहा, संघतिया और तहसील तिराहा को कैमरे लगाने के लिए चिह्नित किया है। फव्वारा तिराहा समेत कुछ स्थानों पर काम शुरू हो चुका है। योजना का उद्देश्य शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करना है।

शहर में निगरानी का दायरा बढ़ाने के लिए कृष्णानगर कॉलोनी, इंद्रलोक कॉलोनी और रिंग रोड से जुड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर भी कैमरे लगाने की योजना है। करीब 62 वर्ग किलोमीटर में फैले नगर पालिका क्षेत्र में निगरानी करना चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में प्रमुख चौराहों के साथ अन्य व्यस्त स्थानों को भी कैमरों से जोड़ने की तैयारी की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों से चोरी, मोबाइल छिनैती और महिलाओं से छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की जांच में मदद मिल सकेगी। किसी वारदात के बाद संदिग्धों की पहचान और उनके आने-जाने के रास्तों का पता लगाने में फुटेज अहम साबित हो सकती है। यातायात पर नजर रखने और जाम की स्थिति समझने में भी इससे मदद मिलने की उम्मीद है। शहर में कैमरे लगाना सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में अहम कदम है। हालांकि, इसका वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब कैमरे नियमित रूप से काम करें और उनकी फुटेज की निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था हो। नगर पालिका कार्यालय में प्रस्तावित कंट्रोल रूम इस लिहाज से महत्वपूर्ण होगा।

दुर्गा पूजा पंडाल में तोड़फोड़ से तनाव, विरोध करने पहुंचे दो ग्रामीणों को पीटा

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। भीटी के घरवासपुर गांव में दुर्गा पूजा पंडाल में तोड़फोड़ और मारपीट की घटना के बाद तनाव फैल गया। आरोप है कि देर रात कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से पंडाल में स्थापित दुर्गा प्रतिमाओं और कलश को क्षतिग्रस्त कर दिया। विरोध करने पहुंचे दो ग्रामीणों के साथ भी मारपीट की गई। घटना में घायल दोनों ग्रामीणों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। गांव में एहतियातन भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

ग्रामीणों ने चंदा एकत्र कर गांव में दुर्गा पूजा पंडाल तैयार कराया था। वहां प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा-अर्चना की जा रही थी। आरोप है कि रात करीब 11 बजे के बाद कुछ लोग पंडाल में पहुंचे और हंगामा करने लगे। इसके बाद लाठी-डंडों से प्रतिमाओं और कलश को नुकसान पहुंचाया गया।

पंडाल में तोड़फोड़ होते देख बीच-बचाव करने पहुंचे दो ग्रामीणों के साथ मारपीट की गई। इससे दोनों घायल हो गए। घटना की जानकारी फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। प्रतिमाएं क्षतिग्रस्त किए जाने से लोगों में नाराजगी देखी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस घटना से जुड़े लोगों की पहचान करने और विवाद के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

- **भीटी के घरवासपुर गांव में देर रात प्रतिमाएं और कलश क्षतिग्रस्त करने का आरोप**

अनुसूचित मोर्चा और महिला मोर्चा के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति के बाद संगठन में चर्चा तेज

भाजपा के नए चेहरों पर दांव

- राजनीतिक अनुभव, जमीनी सक्रियता और विधानसभा क्षेत्र को लेकर मांगे जा रहे जवाब
- पुराने कार्यकर्ताओं में उठे सवाल



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भाजपा की जिला इकाई में नई नियुक्तियों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष परशुराम चौधरी और महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष दीपिका साहू की ताजपोशी के बाद पार्टी के कुछ कार्यकर्ता संगठनात्मक अनुभव और जमीनी सक्रियता को लेकर सवाल उठा रहे हैं। चर्चा का केंद्र यह है कि नई जिम्मेदारियां सौंपने में संगठन के पुराने कार्यकर्ताओं के अनुभव और लंबे समय से सक्रिय लोगों की भूमिका को कितना महत्व दिया गया। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष दीपिका साहू की नियुक्ति के बाद उनके राजनीतिक क्षेत्र और जिले में सक्रियता को लेकर भी चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें आलापुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़ा बताया जा रहा है, जबकि कुछ कार्यकर्ता उनका संबंध टांडा विधानसभा क्षेत्र से बताते हैं। वहीं, एक अन्य चर्चा में उनका पैतृक गांव सतरही, अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र में होने की बात कही जा रही है। इन अलग-अलग दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। कुछ कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिले की सक्रिय राजनीति में दीपिका साहू की भूमिका अब तक व्यापक रूप से सामने नहीं आई थी। ऐसे में उनकी नियुक्ति के बाद संगठन में उनकी पूर्व सक्रियता और राजनीतिक अनुभव को लेकर जिज्ञासा बढ़ी है। राजनीतिक संगठनों में पदों को लेकर चर्चा होना असामान्य नहीं है, लेकिन नियुक्तियों के बाद उठ रहे सवालों का जवाब जमीनी काम से ही मिलेगा। फिलहाल, दोनों पदाधिकारियों की नियुक्तियों को लेकर सामने आ रही आपत्तियां कुछ कार्यकर्ताओं की चर्चाओं पर आधारित हैं।

2027 से पहले संगठन के सामने तालमेल की चुनौती

विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के लिए बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय रखना और कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल बनाए रखना अहम होगा। नई नियुक्तियों से संगठन को कितना लाभ मिलता है, यह आने वाले समय में पदाधिकारियों की सक्रियता और कार्यकर्ताओं के साथ उनके समन्वय से तय होगा।

संगठन में सफर को लेकर चर्चा, सीधे जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी पर सवाल

अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष बनाए गए परशुराम चौधरी को लेकर कुछ कार्यकर्ताओं का कहना है कि उन्हें इससे पहले बूथ, मंडल या जिला स्तर पर किसी संगठनात्मक पद की जिम्मेदारी निभाते नहीं देखा गया। ऐसे में उन्हें सीधे जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपे जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, उनके संगठनात्मक सफर और पूर्व भूमिका को लेकर पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है।

मोबाइल छीनकर बेचने जा रहे थे दो युवक, पुलिस ने दबोचा

भीटी पुलिस ने छीना गया मोबाइल, तमंचा, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की

तमसा संकेत, संवाददाता



अंबेडकरनगर। भीटी के खजुरी-पिंगिरियावां मार्ग पर मोबाइल छिनैती की घटना का भीटी पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन, अवैध तमंचा, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, दोनों मोबाइल बेचने जा रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, महमूदपुर बेला निवासी प्रभात कुमार ने नौ अक्तूबर को शिकायत की थी कि शाम करीब सात बजे खजुरी और पिंगिरियावां के बीच बाइक सवार दो युवकों ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। रविवार, 18 अक्तूबर को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने रेवली जाने वाले मार्ग के किनारे से बाइक सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान महरुआ थाना क्षेत्र के बरहा निवासी सौरभ कुमार (20) और मेढ़वा रघुवंशी निवासी शुभम कुमार (19) के रूप में हुई।

पुलिस ने सौरभ के पास से छीना गया रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन और .315 बोर का एक कारतूस बरामद किया। वहीं, शुभम के कब्जे से .315 बोर का देशी तमंचा मिला। वारदात में इस्तेमाल हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एक दोस्त से मोटरसाइकिल मांगकर लाए थे। इसी बाइक से मोबाइल छीनने की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार, दोनों मोबाइल बेचने जा रहे थे। बरामदगी के आधार पर मामले में चोरी का सामान रखने और अवैध हथियार रखने से संबंधित अतिरिक्त आरोप भी जोड़े गए हैं।

बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ भियांव में जागरूकता चौपाल



तमसा संकेत, संवाददाता

- पुलिस और जन विकास संस्थान ने बच्चों के अधिकारों व शिक्षा पर दिया जोर

अंबेडकरनगर। बाल विवाह और बाल श्रम पर रोक लगाने के लिए भियांव में पुलिस विभाग और जन विकास संस्थान के संयुक्त समन्वय से जागरूकता चौपाल आयोजित की गई। जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से चल रहे अभियान के तहत लोगों को बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

चौपाल में एएचटी प्रभारी मोहम्मद जैद ने बाल विवाह और बाल श्रम के दुष्परिणाम बताए। उन्होंने ऐसे मामलों की जानकारी संबंधित विभागों तक पहुंचाने और बच्चों को शिक्षा से जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया। कार्यक्रम में जैतपुर थानाध्यक्ष प्रेमचंद, मिशन शक्ति प्रभारी मनीष कुमार, महिला आरक्षी रुचि पाल, संजना यादव और निधि के साथ ग्राम पंचायत प्रतिनिधि रीना यादव मौजूद रहीं। जन विकास संस्थान की ओर से राम प्यारे और लक्ष्मी ने भी सहभागिता की।

निगरानी : एसपी प्राची सिंह ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम और पुलिस सहायता केंद्र का किया उद्घाटन

अब कैमरों की नजर में रहेगा बसखारी

- हरैया बाईपास पर भी बढ़ेगी पुलिस की मुस्तैदी
- अपराधियों पर निगरानी के साथ राहगीरों को मिलेगी त्वरित मदद



तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए बसखारी क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था को नई मजबूती मिली है। रविवार को पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने थाना बसखारी में नवनिर्मित सीसीटीवी कंट्रोल रूम और हरैया बाईपास पर पुलिस सहायता केंद्र का उद्घाटन किया। दोनों व्यवस्थाओं से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने, घटनाओं की जांच और जरूरत के समय लोगों तक पुलिस की मदद पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी। उद्घाटन के अवसर पर एसपी प्राची सिंह ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सीसीटीवी कंट्रोल रूम का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्र में सतर्क निगरानी, नियमित गश्त और आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का उद्देश्य केवल घटनाओं के बाद कार्रवाई करना ही नहीं, बल्कि समय रहते संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखकर अपराधों की रोकथाम करना भी है। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी देवेश चतुर्वेदी, क्षेत्राधिकारी नगर अरुण कुमार नौहवार, थानाध्यक्ष बसखारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

थाना बसखारी में स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम के जरिए क्षेत्र में लगाए गए कैमरों की निगरानी की जाएगी। इससे संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ किसी घटना के बाद संबंधित फुटेज खंगालकर जरूरी जानकारी जुटाने में मदद मिलेगी। पुलिस को अपराधों की जांच और प्रभावी कार्रवाई में भी सुविधा हो सकेगी।

हरैया बाईपास पर पुलिस की मौजूदगी होगी मजबूत

हरैया बाईपास पर नवनिर्मित पुलिस सहायता केंद्र की स्थापना से क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय मौजूदगी बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया गया है। इसका उद्देश्य अपराधों की रोकथाम के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना और आमजन को जरूरत पड़ने पर त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराना है। केंद्र के माध्यम से स्थानीय समस्याओं पर प्राथमिकता से कार्रवाई करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

दुष्कर्म व पॉक्सो मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

कहीं और भागने की फिराक में था आरोपी

कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता



हजपुरा (अंबेडकरनगर)। सम्मनपुर पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित 19 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी पीड़िता को लेकर कहीं अन्यत्र भागने की फिराक में था।

पुलिस के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत 18 अक्तूबर को मुखबिर की सूचना पर सिकरोहर बढ़ईपुर निवासी कृष्णा उर्फ किशन पुत्र महेंद्र प्रसाद को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज है। पुलिस ने पीड़िता को बरामद करने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अनिल पांडेय, कांस्टेबल हरिकेश यादव और महिला कांस्टेबल नीतू यादव शामिल रहीं। पुलिस ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है।

सम्पादकीय

संकट में यूरोप



अलग-अलग कारणों से विभिन्न यूरोपीय देशों में वहां की सरकारों के खिलाफ हो रहे धरना-प्रदर्शन जिस तरह अराजक होते जा रहे हैं, उससे समूचा यूरोप संकट से घिरता दिख रहा है। यह सामान्य बात नहीं कि फ्रांस, इटली, अल्बानिया, पुर्तगाल और बेल्जियम आदि में सड़कों पर उतर कर सरकारों के खिलाफ असंतोष जताने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। चिंताजनक यह है कि कहीं-कहीं असंतोष का यह प्रदर्शन हिंसा, आगजनी और लूटपाट में तब्दील हो जा रहा है। इस मामले में फ्रांस के कुछ शहरों में हो रही अराजकता किसी बड़े गंभीर संकट का सूचक जान पड़ती है।

प्रदर्शनकारी आगजनी और लूटपाट करने के साथ पुलिस-कर्मियों पर हमले भी कर रहे हैं। फ्रांस में धरना-प्रदर्शन स्कूलों में शिक्षकों और सुविधाओं की कमी को लेकर शुरू हुए थे। बाद में महंगाई और सामाजिक योजनाओं के व्यय में कटौती जैसे मुद्दे भी इसमें शामिल हो गए। फ्रांस के अलावा अन्य यूरोपीय देशों में कहीं सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं, कहीं बेरोजगारी के विरोध में तो कहीं बढ़ती महंगाई अथवा आवास की कमी के कारण।

यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि लोगों के असंतोष को भुनाने और अराजकता का सहारा लेने वाले सक्रिय हो चुके हैं। अंदेशा इसका है कि आने वाले दिनों में यूरोप के अन्य देश भी अराजकता भरे प्रदर्शनों से दो-चार हो सकते हैं। यूरोप में अप्रवासियों के खिलाफ भी आक्रोश पनप रहा है। इसके नतीजे में कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी दलों का उभार हो रहा है। समस्या यह है कि अवैध अप्रवासियों का जो विरोध हो रहा है, उसकी चपेट में वैध अप्रवासी भी आ रहे हैं। अप्रवासियों के खिलाफ विरोध की लहर आस्ट्रेलिया और अमेरिका में भी देखी जा रही है। यूरोप और पश्चिम के अन्य देश जिन समस्याओं से घिरे हैं, उनके लिए वही अधिक जिम्मेदार हैं। ये देश हिंसक प्रदर्शनों को इसलिए नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि लोगों की जायज चिंताओं के बहाने अराजकता फैलाने वालों को कुछ ऐसी शक्तियां भड़काने में लगी हुई हैं, जो अपने संकीर्ण हितों की पूर्ति करना चाहती हैं। इनमें इस्लामिस्टों और कम्युनिस्टों के गठजोड़ की भूमिका कहीं अधिक दिखाई दे रही है।

ऐसे गठजोड़ दुनिया के अन्य देशों में भी अस्थिरता और अराजकता का माहौल पैदा कर रहे हैं। कहीं-कहीं यह गठजोड़ आतंक की पैरवी करने वालों का भी साथ दे रहा है और लोगों के बीच वैचारिक खाई को चौड़ा करने का काम भी कर रहा है। ऐसे तत्वों से विश्व समुदाय को एकजुट होकर निपटने के लिए आगे आने की आवश्यकता है। यदि ऐसा नहीं होता तो यूरोप में आज जो अशांति का माहौल दिख रहा है, वह विश्व के अन्य देशों में भी देखने को मिल सकता है।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?



66

कोलकाता की घटना ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भीड़ प्रबंधन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि जीवन रक्षा की अनिवार्य व्यवस्था है। किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले स्थल की क्षमता का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदन-हीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे? किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवतः धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है। लेकिन क्या किसी आयोजन की सफलता का मूल्यांकन केवल वहां उमड़ने वाली भीड़ से होना चाहिए? क्या आयोजकों और समितियों को यह नहीं समझना चाहिए कि श्रद्धालुओं की संख्या जितनी अधिक होगी, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी? संकरी



गलियों, सीमित निकास द्वारों, अवरुद्ध रास्तों और अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्थाओं के बीच हजारों लोगों को प्रवेश देना उत्सव की सफलता नहीं, बल्कि एक संभावित त्रासदी को आमंत्रण देना है। प्रवेश और निकास के रास्ते अलग-अलग तथा पर्याप्त चौड़े हों, आपातकालीन निकास स्पष्ट रूप से चिह्नित हों, भीड़ की आवाजाही एक दिशा में नियंत्रित की जाए और प्रशिक्षित कर्मियों की पर्याप्त तैनाती हो। सीसीटीवी, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, चिकित्सा सहायता, एंबुलेंस तथा अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बारिश, बिजली बाधित होने, अचानक अफवाह फैलने या किसी अप्रत्याशित घोषणा से भीड़ का व्यवहार बदल सकता है। इसलिए हर आयोजन में आपातकालीन योजना, नियमित अभ्यास और त्वरित प्रतिक्रिया की व्यवस्था होनी चाहिए। सुरक्षा की तैयारी हादसे के बाद नहीं, आयोजन की योजना बनाते समय शुरू होनी चाहिए। इस पूरे परिदृश्य में प्रशासन की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को केवल अनुमति जारी करने अथवा आयोजन के दौरान औपचारिक निरीक्षण करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अनुमति से पहले स्थल का निरीक्षण, भीड़ की संभावित संख्या का आकलन, सुरक्षा मानकों की जांच और निकास मार्गों की उपलब्धता का सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। निर्धारित क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश देने पर तत्काल रोक लगाई जाए। नियमों का उल्लंघन करने वाले आयोजकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो और यदि जांच में अधिकारियों की लापरवाही सामने आए, तो उनकी जवाबदेही भी तय की जाए। किसी समिति का प्रभाव, किसी आयोजक की प्रतिष्ठा या किसी उत्सव की लोकप्रियता कानून और नागरिक सुरक्षा से ऊपर नहीं हो सकती। जवाबदेही के बिना सुरक्षा केवल कागजी घोषणा बनकर रह जाती है। साथ ही यह मान लेना भी उचित नहीं कि हर भगदड़ का कारण केवल प्रशासनिक विफलता है। कई बार अफवाह, धक्का-मुक्की, अचानक आगे बढ़ने की प्रवृत्ति और दूसरों की सुरक्षा की चिंता किए बिना स्वयं निकलने की कोशिश भी स्थिति को भयावह बना देती है। इसलिए आम नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। धार्मिक स्थल पर पहुंचकर संयम बनाए रखना, निर्धारित मार्गों का पालन करना, धक्का न देना, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना तथा आधिकारिक निर्देशों को सुनना आवश्यक है। यदि भीड़ असामान्य रूप से घनी हो जाए, तो आगे बढ़ने की जिद करने के बजाय सुरक्षित स्थान पर रुकना और निर्देशों का पालन करना चाहिए। आयोजकों को भी श्रद्धालुओं के बीच जागरूकता फैलानी चाहिए कि भक्ति का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और दूसरों के जीवन के प्रति सम्मान है।

- ललित गर्ग

गुजरात में नवरात्र...

कुमार कृष्णन

दशहराः उत्सवधर्मिता और सांस्कृतिक एकता का पर्व



भारत उत्सवों का देश है। यहां त्योहार केवल धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि समाज की सांस्कृतिक स्मृति, सामूहिकता और जीवन-दृष्टि के वाहक भी हैं। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही पर्व है, जो विविध रूपों में मनाया जाता है, लेकिन जिसके मूल में बुराई पर अच्छाई, अन्याय पर न्याय और अहंकार पर विवेक की विजय का संदेश निहित है। भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को समझने के लिए दशहरा एक महत्त्वपूर्ण अवसर है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके आयोजन की पद्धतियां भिन्न हैं, फिर भी इनके बीच एक अदृश्य सांस्कृतिक सूत्र मौजूद है।

उत्तर भारत में दशहरा भगवान राम की रावण पर विजय के रूप में मनाया जाता है। रामलीलाओं के मंचन के बाद रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन होता है। यह आयोजन केवल रामकथा का पुनर्पाठ नहीं, बल्कि समाज को यह याद दिलाने का अवसर भी है कि शक्ति और ज्ञान के बावजूद अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है। रामलीला के मंच पर प्रस्तुत प्रसंग पीढ़ियों तक नैतिक मूल्यों और लोक-संस्कृति को पहुंचाते हैं। मेलों में बच्चों की उमंग, कलाकारों की मेहनत और लोगों की सामूहिक भागीदारी इस पर्व को सामाजिक उत्सव का रूप देती है। लेकिन दशहरे का अर्थ केवल रावण के पुतले का दहन नहीं है। यदि रावण को जलाने की रस्म के बाद समाज में अहंकार, अन्याय, हिंसा, स्त्री-असम्मान और भेदभाव कायम रहते हैं, तो पर्व का नैतिक उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज के समय में दशहरा हमें अपने भीतर और अपने आसपास मौजूद बुराइयों को पहचानने की चुनौती देता है। भ्रष्टाचार, नफरत, सामाजिक असमानता और कमजोरों के अधिकारों की अनदेखी भी ऐसी बुराइयां हैं, जिनसे मुक्ति के बिना विजयादशमी का संदेश सार्थक नहीं हो सकता। बंगाल में दशहरा दुर्गापूजा के व्यापक उत्सव का हिस्सा है। यहां मां दुर्गा की आराधना के साथ महिषासुर पर उनकी विजय का स्मरण किया जाता है। बंगाली समाज में दुर्गा को बेटी के रूप में देखने की आत्मीय परंपरा भी है। मान्यता के अनुसार, मां दुर्गा अपने मायके आती हैं और कुछ दिनों बाद विदा होती हैं। इस भावभूमि में दुर्गापूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं रहती, बल्कि घर-परिवार, स्मृति, प्रेम और बिछोह की अनुभूति से जुड़ जाती है। विशाल पंडाल, कलात्मक प्रतिमाएं, रोशनी, संगीत और सामूहिक भोजन इस आयोजन को जनजीवन का हिस्सा बनाते हैं। ओडिशा और असम में भी दुर्गापूजा की अपनी क्षेत्रीय विशेषताएं हैं।

गुजरात में नवरात्र के दौरान गरबा और डांडिया उत्सव का केंद्र बन जाते हैं। रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक संगीत और गोल घेरे में नृत्य सामूहिक उल्लास की तस्वीर पेश करते हैं। गरबा की परंपरा में शक्ति की उपासना और जीवन की निरंतरता का भाव जुड़ा है। यहां त्योहार धार्मिक आस्था के साथ लोककला, संगीत और सामाजिक मेलजोल को भी बढ़ावा देता है। बदलते समय में गरबा के आयोजन बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों का रूप ले चुके हैं, लेकिन इसकी सांस्कृतिक आत्मा सामूहिक भागीदारी और परंपरा से जुड़ाव में ही निहित है। दक्षिण भारत में विजयादशमी का संबंध शिक्षा, ज्ञान और नई शुरुआत से भी है। तमिलनाडु और केरल में नवरात्र के अंतिम दिनों में सरस्वती पूजा की जाती है। पुस्तकों, वाद्ययंत्रों और औजारों को पूजने की परंपरा ज्ञान तथा श्रम के सम्मान का प्रतीक है। विजयादशमी पर बच्चों को अक्षर-ज्ञान कराने की रस्म को विद्यारंभ कहा जाता है। इस परंपरा में एक महत्त्वपूर्ण सामाजिक संदेश छिपा है—ज्ञान जीवन को बेहतर बनाने का साधन है और शिक्षा की शुरुआत शुभ संकल्प के साथ होनी चाहिए। आज जब शिक्षा में समान अवसर, डिजिटल विभाजन और सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता जैसे प्रश्न सामने हैं, तब यह परंपरा ज्ञान को सबकी पहुंच में लाने की जरूरत की याद दिलाती है। कर्नाटक के मैसूर का दशहरा अपनी भव्यता और ऐतिहासिक परंपरा के लिए प्रसिद्ध है। मैसूर राजपरिवार और विजयनगर की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा यह उत्सव देवी चामुंडेश्वरी की आराधना के साथ मनाया जाता है। जंबू सवारी इसकी प्रमुख विशेषता है, जिसमें सजे-धजे हाथियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाती है।

सच्चा नारीवाद ...

अमरेन्द्र प्रताप सिंह

जाम, जिस्म और जुबान का शोर : क्या यही है आधुनिक स्त्री का सशक्तिकरण?

आज का दौर महिला अधिकारों और लैंगिक समानता की मुखर वकालत का दौर है, जो एक स्वस्थ समाज के लिए बेहद जरूरी है। लेकिन इसी वैचारिक प्रगति की आड़ में एक विकृति भी पनप रही है, जिसे समाजशास्त्री 'स्यूडो-फेमिनिज्म' (छद्म-नारीवाद) या 'टॉक्सिक फेमिनिज्म' कहते हैं। जब आंदोलन का मूल उद्देश्य 'समानता' से भटककर 'पुरुष-द्वेष' (मिसैंड्री) और केवल दैहिक व सामाजिक दुराग्रहों में तब्दील होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि वैचारिक भटकाव आ चुका है। मूल स्त्रीवाद का संघर्ष सदियों पुरानी पितृसत्तात्मक व्यवस्था, लैंगिक भेदभाव और असमानता के खिलाफ रहा है। इसका उद्देश्य पुरुषों को नीचा दिखाना कभी नहीं था, बल्कि महिलाओं के लिए समान अवसर, शिक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना था। इसके विपरीत, आज सोशल मीडिया के दौर में आधुनिकता की परिभाषा बेहद सतही और सिर्फ 'देह' या 'उन्मुक्त विलासिता' तक सिमटती दिख रही है। हाथ में बियर का गिलास थामना, अंग-प्रदर्शन करते कपड़ों में तस्वीरें डालना या दोहरे अर्थों वाली कामुक सूक्तियों व 'कचौड़ी-समोसे' जैसे द्विअर्थी मुहावरों से पुरुषों को चिढ़ाना ही कुछ कथित बौद्धिक महिलाओं के लिए 'क्रांति' बन गया है। इस तथाकथित यौन-आजादी और बेबाकी के फेर में वे यह भूल जाती हैं कि पितृसत्ता का विरोध करने और खुद एक उपभोग की वस्तु (Object) की तरह दिखने में एक बहुत बारीक रेखा होती है। यहाँ समानता 'सुविधाजनक' हो जाती है—जहाँ देह और निजी इच्छाओं के प्रदर्शन पर तो पहला हक चाहिए, लेकिन जिम्मेदारी के वक्त 'महिला कार्ड' खेल दिया जाता है। इस भटकाव का सबसे चिंताजनक पहलू यही है कि पुरुष समुदाय को सामूहिक रूप से केवल कामुक शोषक मानकर उनके खिलाफ ज़हर उगलना ही अब 'कूल' होने का पैमाना बन गया है। इससे भी बढ़कर, सुरक्षा के लिए बने प्रगतिशील कानूनों का व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए झूठा इस्तेमाल वास्तविक पीड़ित महिलाओं के संघर्ष को कमजोर करता है।

सच्चा नारीवाद समाज में विभाजन की लकीरें नहीं खींचता, बल्कि एक स्वस्थ सह-अस्तित्व की ज़मीन तैयार करता है। वह पुरुषों को अपना जन्मजात दुश्मन नहीं, बल्कि व्यवस्था में बदलाव का सबसे बड़ा सहयात्री मानता है। यदि हमें वाकई एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज बनाना है, तो सशक्तिकरण के नाम पर परोसी जा रही इस सतही उद्दंडता, दैहिक नुमाइश और सड़े हुए पुरुष-द्वेष को सिरे से खारिज करना होगा। इंटरनेट के बंद कमरों से निकलने वाले इस 'टॉक्सिक फेमिनिज्म' के शोर को अब चुप होना ही होगा, ताकि चूल्हे से लेकर चौखट और कॉर्पोरेट तक लड़ रही वास्तविक पीड़ित महिलाओं की गूँज को दबाया न जा सके। मुखौटों को उतारना ही होगा, क्योंकि समाज की तरक्की किसी लिंग विशेष के वर्चस्व से नहीं, बल्कि दोनों के आपसी सम्मान और संतुलन से तय होती है।

सत्ता परिवर्तन का रास्ता भीड़तंत्र नहीं, जनमत -लोकतंत्र से

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि विविधताओं, सहिष्णुता, शांति और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए पहचाना जाने वाला देश भी है। यहां सत्ता परिवर्तन का अधिकार जनता को प्राप्त है और यही अधिकार भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है लेकिन जब देश में सत्ता परिवर्तन को लेकर बांग्लादेश जैसे घटनाक्रम का उदाहरण दिया जाता है या 'रिजीम चेंज अर्थात शासन व्यवस्था को बदलने की बात कही जाती है, तो इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है। भारत जैसे विशाल और परिपक्व लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन का रास्ता संवैधानिक व्यवस्था, जनमत और शांतिपूर्ण आंदोलनों से होकर गुजरना चाहिए, न कि भीड़ के दबाव अथवा अराजकता से।

हाल के दिनों में विपक्ष पर भारत में भी बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन की कोशिश करने के आरोप लगाए गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के संदर्भ में भी 'रिजीम चेंज की बहस सामने आई है। ऐसे बयानों और आरोपों का मूल्यांकन राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर किया जाना चाहिए। किसी व्यक्ति के बयान का वास्तविक अर्थ उसके पूरे संदर्भ में समझना जरूरी है। केवल किसी शब्द के आधार पर किसी व्यक्ति या पूरे विपक्ष की मंशा पर अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। फिर भी, यदि सत्ता परिवर्तन का आशय संवैधानिक प्रक्रिया से बाहर जाकर सरकार को हटाने या व्यवस्था को अस्थिर करने से है, तो ऐसी सोच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक है। भारत और बांग्लादेश की राजनीतिक, सामाजिक तथा संवैधानिक परिस्थितियों में अंतर है। भारत में नियमित चुनाव, स्वतंत्र न्यायपालिका, निर्वाचन आयोग, संसद, राज्य विधानसभाएं और संवैधानिक संस्थाएं सत्ता परिवर्तन के स्थापित माध्यम हैं। इन संस्थाओं की मजबूती ही लोकतंत्र की स्थिरता सुनिश्चित करती है। किसी दूसरे देश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम को भारत में दोहराने की कल्पना करना न तो आवश्यक है और न ही भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप।

सौरभ वार्ष्णेय

जरा हटके

ऑपरेशन कायाकल्प से संवरी बलरामपुर के परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था में तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल को लगातार विस्तार दे रही है। सरकार का जोर है कि डिजिटल संसाधन विद्यार्थियों की पहुंच से दूर रहने वाली सुविधा न होकर सीखने का सहज, सुलभ और प्रभावी माध्यम बनें। 2017 से पहले जहां डिजिटल शिक्षा केवल बड़े प्राइवेट स्कूलों तक सीमित थी, वहीं अब प्रदेश सरकार उसे परिषदीय विद्यालय के हर बच्चे के घर तक पहुंचा रही है।

शिक्षा के इस क्षेत्र में पीएम ई-विद्या डिजिटल प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों और शिक्षकों को पढ़ाई से जुड़े आवश्यक संसाधन एक ही मंच पर निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है। प्रदेश सरकार की डिजिटल शिक्षा नीति का लक्ष्य तकनीक को शिक्षा का विकल्प बनाने के साथ-साथ उसे सीखने की प्रक्रिया का प्रभावी सहयोगी बनाना है। पीएम ई-विद्या इसी सोच को व्यापक डिजिटल पहुंच में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पीएम ई-विद्या को विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा के एक उपयोगी मंच के रूप में देखा जा रहा है। इसमें पढ़ाई से जुड़े आवश्यक डिजिटल संसाधनों तक एक ही स्थान से पहुंच बनाने की सुविधा है। इससे विद्यार्थियों को सीखने के लिए अलग-अलग माध्यमों पर निर्भरता कम होगी और डिजिटल सामग्री तक पहुंच अधिक सहज होगी। पहले बच्चे को एक विषय के लिए एक ऐप और दूसरे विषय के लिए दूसरा ऐप खोजना पड़ता था, लेकिन अब पीएम ई-विद्या पर एक ही जगह पर वीडियोलेक्चर, ई-बुक्स, ऑडियोकंटेंट और अन्य पठन सामग्री मिल रही है। शिक्षक भी उपलब्ध डिजिटल संसाधनों को अपनी कक्षा शिक्षण प्रक्रिया के सहयोगी माध्यम के रूप में उपयोग कर सकते हैं, जिससे कक्षा-शिक्षण और अधिक रोचक बनेगा।

पीएम ई-विद्या की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि डिजिटल लर्निंग से जुड़े सभी संसाधन पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार घर बैठे डिजिटल माध्यम का उपयोग कर अध्ययन कर सकते हैं। गांव के उस बच्चे के लिए भी यह वरदान है, जिसके पास महंगी कोचिंग या किताबें खरीदने के पैसे नहीं हैं। वह अपने माता-पिता के फोन पर ही पीएम ई-विद्या से पढ़ सकता है। डिजिटल संसाधनों की आसान उपलब्धता विद्यार्थियों के सीखने के अवसरों को विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एक ही मंच पर सामग्री उपलब्ध होने से डिजिटल शिक्षा को अधिक समावेशी, सुलभ और प्रभावशाली बनाने में मदद मिलेगी।

पीएम ई-विद्या ऐपएंड्रॉयड और आईओएस, दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। एंड्रॉयड उपयोगकर्ता इसे गूगल प्ले स्टोर तथा आईओएस उपयोगकर्ता एप्पलऐपस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इससे विभिन्न डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने वाले विद्यार्थी और शिक्षक इस मंच से जुड़ रहे हैं। यानी चाहे सस्ता एंड्रॉयड फोन हो या आईफोन, हर बच्चे की पढ़ाई अब एक ऐप पर होगी। सोशल मीडिया के माध्यम से भी पीएम ई-विद्या ऐप के बारे में जानकारी साझा की जा रही है, जिससे विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक इससे जुड़ सकें। एससीईआरटी के माध्यम से डिजिटल संसाधनों को विद्यार्थियों और शिक्षकों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि विद्यालयी शिक्षण में इनका अधिकतम उपयोग हो।

प्रदेश सरकार प्रदेश के बच्चों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल संसाधनों के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। पीएम ई-विद्या जैसे प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पढ़ाई से जुड़े आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर सीखने की प्रक्रिया को अधिक सहज और प्रभावी बनाते हैं। यह पहल ऑपरेशन कायाकल्प, स्मार्ट क्लास और निपुण भारत के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में शिक्षा की तस्वीर बदल रही है। अब तकनीक का लाभ प्रदेश के अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंच रहा है और डिजिटल शिक्षा उनके सीखने का मजबूत माध्यम बन रही है, जिससे शहर और गांव के बीच की डिजिटल खाई भी खत्म हो रही है।

डिजिटल शिक्षा को घर-घर पहुंचाने में पीएम ई-विद्या बना पढ़ाई का संसाधन

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था में तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल को लगातार विस्तार दे रही है। सरकार का जोर है कि डिजिटल संसाधन विद्यार्थियों की पहुंच से दूर रहने वाली सुविधा न होकर सीखने का सहज, सुलभ और प्रभावी माध्यम बनें। 2017 से पहले जहां डिजिटल शिक्षा केवल बड़े प्राइवेट स्कूलों तक सीमित थी, वहीं अब प्रदेश सरकार उसे परिषदीय विद्यालय के हर बच्चे के घर तक पहुंचा रही है। शिक्षा के इस क्षेत्र में पीएम ई-विद्या डिजिटल प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों और शिक्षकों को पढ़ाई से जुड़े आवश्यक संसाधन एक ही मंच पर निःशुल्क उपलब्ध करा रहा है। प्रदेश सरकार की डिजिटल शिक्षा नीति का लक्ष्य तकनीक को शिक्षा का विकल्प बनाने के साथ-साथ उसे सीखने की प्रक्रिया का प्रभावी सहयोगी बनाना है। पीएम ई-विद्या इसी सोच को व्यापक डिजिटल पहुंच में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पीएम ई-विद्या को विद्यार्थियों के लिए डिजिटल शिक्षा के एक उपयोगी मंच के रूप में देखा जा रहा है। इसमें पढ़ाई से जुड़े आवश्यक डिजिटल संसाधनों तक एक ही स्थान से पहुंच बनाने की सुविधा है। इससे विद्यार्थियों को सीखने के लिए अलग-अलग माध्यमों पर निर्भरता कम होगी और डिजिटल सामग्री तक पहुंच अधिक सहज होगी। पहले बच्चे को एक विषय के लिए एक ऐप और दूसरे विषय के लिए दूसरा ऐप खोजना पड़ता था, लेकिन अब पीएम ई-विद्या पर एक ही जगह पर वीडियोलेक्चर, ई-बुक्स, ऑडियोकंटेंट और अन्य पठन सामग्री मिल रही है। शिक्षक भी उपलब्ध डिजिटल संसाधनों को अपनी कक्षा शिक्षण प्रक्रिया के सहयोगी माध्यम के रूप में उपयोग कर सकते हैं, जिससे कक्षा-शिक्षण और अधिक रोचक बनेगा। पीएम ई-विद्या की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि डिजिटल लर्निंग से जुड़े सभी संसाधन पूरी तरह से निःशुल्क उपलब्ध हैं। इससे विद्यार्थी अपनी सुविधा के अनुसार घर बैठे डिजिटल माध्यम का उपयोग कर अध्ययन कर सकते हैं। गांव के उस बच्चे के लिए भी यह वरदान है, जिसके पास महंगी कोचिंग या किताबें खरीदने के पैसे नहीं हैं।

धर्मवीर खरे

दीपावली से पहले मिलेगा बोनस, डीए भी बढ़ेगा, सैलरी में महंगाई भत्ता भी बढ़कर मिलेगा

यूपी के 12 लाख से ज्यादा कर्मचारियों की बल्ले-बल्ले

राहत

हेमन्त कृष्ण



बोनस का लाभ आरजपत्रित कर्मचारियों को दिया जाता है। बोनस की रकम वेतन के साथ नहीं आती है, बल्कि यह अलग से खातों में भेजी जाती है।

तमसा संकेत, लखनऊ। यूपी के 12 लाख से ज्यादा राज्य कर्मियों को राहत मिलने वाली है। योगी सरकार दीपावली से पहले इन कर्मचारियों को बोनस देने जा रही है। इसके अलावा महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत भत्ता (डीआरए) भी नवंबर में मिलने वाले वेतन के साथ ही आने की भी उम्मीद है। महानवमी और दशहरा की छुट्टियों के बाद इस संबंध में आदेश जारी हो सकते हैं।

वित्त विभाग कर्मचारियों को बोनस और डीए-डीआरए देने की तैयारी कर रहा है। प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। रेलवे मंत्रालय की घोषणा के बाद अब राज्य कर्मचारियों को भी उम्मीद है कि प्रक्रिया में तेजी आएगी। सूत्र बताते हैं कि बोनस की रकम 3400 से 7000 रुपये के बीच होगी।

आउटसोर्स कर्मियों को भी बढ़े वेतन का आदेश जल्द

आउटसोर्स कर्मचारियों को बढ़ी हुई तनख्वाह नवंबर में मिलने वाले वेतन में मिलेगी। यह वेतन अक्तूबर माह के लिए उन्हें दिया जाएगा। आउटसोर्स निगम इस संबंध में छुट्टियां खत्म होने के बाद ही औपचारिक आदेश जल्द जारी करेगा। तकरीबन चार लाख आउटसोर्स कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा।



नवंबर में आएगी सैलरी

कर्मचारी मान रहे हैं कि बोनस के साथ ही डीए व डीआरए के भी आदेश होंगे। डीए व डीआरए तीन प्रतिशत मिलने की उम्मीद है। सूत्र बताते हैं कि अगर आदेश 25 अक्तूबर से पहले हो जाएंगे तो अक्तूबर की तनख्वाह व पेंशन जो नवंबर में मिलेगी, उसमें यह डीए-डीआरए की राशि बढ़कर आएगी। डीए व डीआरए संबंधी आदेश का इंतजार 12 लाख से ज्यादा कर्मचारी और 6 लाख से ज्यादा पेंशनर कर रहे हैं। यूपी के हजारों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनरों के पुराने मेडिकल बिलों के भुगतान की समयसीमा शासन ने तय कर दी है। दीपावली से पहले इनके अटके हुए चिकित्सा दावे 31 अक्तूबर तक निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जो भी दावे 30 सितंबर तक सभी मेडिकल बिलों सहित संबंधित विभागों में जमा किए जा चुके हैं। इसी माह 31 अक्तूबर तक परीक्षण के बाद उनका भुगतान हो जाएगा।

हजरतगंज में बंदर के बच्चे को जिंदा जलाया

तमसा संकेत, एजेंसी



पालतू बच्चे को घर से उठाया, एनजीओ ने थाने में दी तहरीर

लखनऊ। लखनऊ के हजरतगंज थाना क्षेत्र में बंदर के एक बच्चे को कथित तौर पर जिंदा जलाकर मारने का मामला सामने आया है। मामले में पशु कल्याण संस्था Aasra The Helping Hands Trust ने हजरतगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। संस्था के मुताबिक, घटना में शामिल बताया जा रहा युवक फरार है।

संस्था ने पुलिस से आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी करने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायत में घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कर जांचने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने की मांग भी की गई है। संस्था ने शिकायत में पशु क्रूरता निवारण कानून, वन्यजीव संरक्षण से जुड़े प्रावधानों और अन्य संबंधित कानूनों के तहत कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। साथ ही वन विभाग से मामले में हस्तक्षेप कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। संस्था ने पुलिस प्रशासन से मामले में की गई कार्रवाई और वर्तमान स्थिति की जानकारी देने का भी अनुरोध किया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुलिस की ओर से पुष्टि और मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

नवरात्रि के शानदार जश्न के बीच 'ओमैक्स द रिज़ॉर्ट' ने अपना सैंपल फ़्लैट पेश किया

तमसा संकेत, संवाददाता

इन प्रस्तुतियों ने लोक संस्कृति और आधुनिक जश्न का एक बेहतरीन संगम पेश किया, जिससे परिवारों और मेहमानों को नवरात्रि मनाने का एक शानदार अनुभव मिला।



लखनऊ । 16 अक्टूबर 2026 को लखनऊ के गोमती नगर एक्सटेंशन, सेक्टर 7 में 'ओमैक्स द रिज़ॉर्ट' ने नवरात्रि के मौके पर एक शानदार 'डांडिया नाइट' का आयोजन किया और साथ ही अपने सैंपल फ़्लैट को भी पेश किया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 मेहमान शामिल हुए, जहाँ उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लाइव मनोरंजन का आनंद लिया। साथ ही, संभावित खरीदारों को यहाँ के रहने की जगहों (लिविंग स्पेस) को करीब से देखने का मौका मिला। उत्सव की शुरुआत करते हुए, गुजरात के कलाकारों ने पारंपरिक गरबा पेश किया, जिससे कार्यक्रम में एक सांस्कृतिक रंग घुल गया। इसके अलावा, बॉलीवुड डांस ग्रुप्स ने अपनी ऊर्जावान कोरियोग्राफी से दर्शकों का मन मोह लिया, और लाइव बैंड ने आधुनिक संगीत के साथ कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। इसके साथ ही, सैंपल फ़्लैट के अनावरण ने संभावित खरीदारों को घरों के इंटीरियर को करीब से देखने का अवसर दिया। यहाँ आए लोग लेआउट देख सकते थे और भविष्य में यहाँ रहने की संभावनाओं की कल्पना कर सकते थे, जिससे उन्हें प्रॉपर्टी के डिज़ाइन के बारे में सीधे जानकारी मिली। इस तरह, इस आयोजन ने उत्सव के माहौल को एक नया घर खोजने की व्यावहारिक ज़रूरत के साथ जोड़ दिया। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, ओमैक्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित गोयल ने कहा, त्योहार साझा परंपराओं के ज़रिए लोगों को करीब लाते हैं और आपसी रिश्तों को मज़बूत करने का मौका देते हैं। ओमैक्स में, हमारा मानना है कि एक घर उन अनुभवों और रिश्तों से गहराई से जुड़ा होता है जो हमारे रोज़मर्रा के जीवन को आकार देते हैं। डांडिया उत्सव और सैंपल फ़्लैट के अनावरण को एक साथ लाकर, हमने एक ऐसा मौक़ा बनाने की कोशिश की, जहाँ मेहमान सांस्कृतिक जश्न का आनंद भी ले सकें और हमारे लिविंग स्पेस को भी देख सकें।

पहले से बनी सीमेंटेड गली पर इंटरलॉकिंग कराने की तैयारी से स्थानीय लोगों में नाराज़गी

नगर पालिका परिषद गंजडुंडवारा के कार्यों पर उठे गंभीर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता



स्थानीय लोगों का कहना है कि विकास कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराना होना चाहिए, न कि केवल निर्माण कार्यों की संख्या बढ़ाना। यदि किसी सड़क या गली की स्थिति संतोषजनक नहीं है, कोई समस्या है, तो उसका समाधान स्पष्ट योजना और तकनीकी मानकों के अनुसार किया जाना चाहिए।

गंजडुंडवारा, कासगंज। नगर पालिका परिषद गंजडुंडवारा की कार्यप्रणाली को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष बढ़ता दिखाई दे रहा है। कस्बे के मोहल्ला पूरब थोक, पटियाली रोड पर चेयरमैन हाजी मुनव्वर हुसैन की कोठी के पास स्थित नाले वाली गली में प्रस्तावित निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि जब संबंधित गली पहले से सीमेंटेड बनी हुई है, जिसमे जगह जगह गड्ढे हो गए हैं, नगर पालिका द्वारा पहले से निर्मित सीमेंटेड गली पर इंटरलॉकिंग कराने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर क्षेत्र के लोगों में नाराज़गी है। उनका कहना है कि गली पहले से सीमेंटेड है तो पुनः निर्माण कार्य भी सीमेंटेड ही होना चाहिए। इन सवालों का जवाब संबंधित अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से देना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की शंका या भ्रम की स्थिति न बने।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि ये मामला नगर पालिका के अधिकारियों के संज्ञान में पहले ही ला दिया गया था, लेकिन अब तक उनकी शिकायतों का संतोषजनक समाधान नहीं हुआ है। लोगों का कहना है कि शिकायत करने के बावजूद उन्हें स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही कि संबंधित गली पर इंटरलॉकिंग कराने का निर्णय किस आधार पर लिया गया है ? यदि किसी निर्माण कार्य को लेकर क्षेत्र की जनता आपत्ति जता रही है, तो नगर पालिका प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह उनकी बात सुने, स्थल का निरीक्षण कराए और तथ्यों के आधार पर निर्णय ले।

लोगों की माँग है कि प्रस्तावित इंटरलॉकिंग कार्य से संबंधित प्रशासनिक स्वीकृति, तकनीकी स्वीकृति, अनुमानित लागत, टेंडर, कार्यादेश और निर्माण की आवश्यकता से जुड़े दस्तावेजों की जाँच की जाए। यह भी स्पष्ट किया जाए कि संबंधित गली की वर्तमान स्थिति का कोई तकनीकी सर्वेक्षण कराया गया है या नहीं। नगर पालिका प्रशासन से अपेक्षा की जाती है कि वह सभी वार्डों में नागरिक सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा करे और आवश्यकतानुसार प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराए। जिन क्षेत्रों में सड़कें खराब हैं, नालियाँ अवरुद्ध हैं या स्ट्रीट लाइटें काम नहीं कर रही हैं, वहाँ समय रहते कार्रवाई की जानी चाहिए।



पूरब थोक की यह गली केवल एक उदाहरण

पूरब थोक की यह गली केवल एक उदाहरण है। कस्बे में सड़क निर्माण और मरम्मत, नालियों की सफाई, नियमित स्वच्छता व्यवस्था तथा रात के समय स्ट्रीट लाइट की उपलब्धता जैसे बुनियादी मुद्दों पर भी नागरिकों की अपेक्षाएँ हैं। लोगों का आरोप है कि इन सुविधाओं को लेकर कई क्षेत्रों में असंतोष है और नगर पालिका को जनता की समस्याओं पर अधिक गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

मां चंद्रिका के भक्तों को पंखा कर रहे सेवादार

लखनऊ। लखनऊ के बख्शी का तालाब क्षेत्र में स्थित मां चंद्रिका देवी धाम में महानवमी पर भक्तों की भीड़ उमड़ी है। आज हजारों भक्त लगातार सुबह से दर्शन कर रहे हैं। भक्तों की 4 लंबी कतारें लगी हैं। भक्तों को गर्मी न लगे, इसके लिए सेवादार हाथ से पंखा कर रहे हैं। मंदिर परिसर में अखंड यज्ञ चल रहा है। मंदिर के पीछे की तरफ गोमती नदी के पास बाढ़ राहत दल की तैनाती है। मेडिकल कैंप भी लगाया गया है। अगर किसी भक्त को कोई समस्या होती है तो वह सीधे मेडिकल कैंप में जाकर अपने स्वास्थ्य की जांच करवा रहा है। कुछ जरूरी दवाएं भी ली जा सकती हैं। चंद्रिका धाम से दर्शन कर लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो का अचानक टायर फट गया। वह बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में एक की महिला की मौत जबकि तीन श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। चंद्रिका देवी मंदिर परिसर में लक्ष्मीकांत वाजपेयी की दुकान है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण दुकानदारी पर बहुत प्रभाव पड़ा है।

210 और अवैध चैंबरों पर 25 को चलेगा बुलडोजर

हाईकोर्ट ने वकीलों की अपील खारिज की

तमसा संकेत, एजेंसी



हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन किया जाएगा। इसमें पुलिस का भी सहयोग लिया जाएगा। कार्रवाई से पहले आपत्तियों की सुनवाई कर उनका निस्तारण कर दिया गया है। अब रविवार को अभियान चलाया जाएगा।

लखनऊ। कैसरबाग स्थित जिला कचहरी के आसपास बने करीब 210 और अवैध चैंबरों पर रविवार को बुलडोजर चलेगा। हाईकोर्ट ने वकीलों की अपील खारिज कर दी है। इससे पहले मई से अगस्त के बीच दो बार में 72 अवैध चैंबर तोड़े जा चुके हैं। प्रस्तावित अभियान 11 अक्तूबर को होना था लेकिन आपत्तियों के निस्तारण और कोर्ट में अपील लंबित होने के कारण इसे टाल दिया गया था। अब 25 अक्तूबर को कार्रवाई की तैयारी है।

करीब साल भर पहले हाईकोर्ट में चल रही जनहित याचिका के तहत नगर निगम ने कैसरबाग में पुराना हाईकोर्ट परिसर, जिला सत्र न्यायालय, निबंधन कार्यालय और जिलाधिकारी कार्यालय के सामने व पीछे की सड़कों पर बने अवैध चैंबरों का सर्वे किया था। उस समय करीब 240 चैंबर चिह्नित किए गए थे। अब तक इनमें से 72 ही तोड़े गए हैं। इनमें से भी कई चैंबर दोबारा बना लिए गए हैं। 30 अगस्त को हुई कार्रवाई के दौरान नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम की कार्रवाई उन 72 चैंबरों तक सीमित रहने का मुद्दा उठाया गया था, जिनका मामला कोर्ट तक पहुंचा था। सिविल कोर्ट से बलरामपुर अस्पताल होते हुए रेजीडेंसी की ओर जाने वाली सड़क पर बने अन्य चैंबरों पर कार्रवाई नहीं हुई थी। बीते माह हाईकोर्ट ने बचे हुए अवैध चैंबरों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें हटाने का आदेश दिया था। नगर निगम के जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश के तहत कचहरी परिसर के बाहर नाले, नालियों, फुटपाथ और सड़क पर बने सभी अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। उनकी आपत्तियों की सुनवाई कर निस्तारण भी कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने भी अपील खारिज कर दी है। ऐसे में अब सभी अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आईपीएस अर्पित विजयवर्गीय को मिली लखनऊ की कमान

श्रद्धा दुबे हत्याकांड के बाद डीसीपी विक्रांत वीर की जगह मिली तैनाती

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ । पुलिस कमिश्नरेट में बदलाव के तहत IPS अधिकारी अर्पित विजयवर्गीय को DCP सेंट्रल (मध्य) की जिम्मेदारी सौंपी गई है. इससे पहले वह DCP यातायात के पद पर तैनात थे. उन्हें अभिसूचना एवं सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है. अर्पित विजयवर्गीय ने नई जिम्मेदारी संभाल ली है. वह 2017 बैच के IPS अधिकारी हैं. श्रद्धा दुबे की फरारी के मामले के बाद DCP सेंट्रल विक्रांत वीर को पद से हटाया गया था. इसके बाद उनकी जगह अर्पित विजयवर्गीय को DCP सेंट्रल नियुक्त किया गया है. इस बदलाव के साथ लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में अधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल हुआ है.

अर्पित विजयवर्गीय इससे पहले बाराबंकी में SP के पद पर तैनात रह चुके हैं. अब उन्हें लखनऊ में DCP सेंट्रल की जिम्मेदारी दी गई है. इसके अलावा अभिसूचना एवं सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है. नई जिम्मेदारी के साथ उनके सामने मध्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस प्रशासन से जुड़े कार्यों को संभालने की जिम्मेदारी होगी।

व्यय : माननीयों की यात्रा में खर्च हुए 2.29 करोड़, कुल आठ श्रेणियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलती है

मुफ्त सफर की वजह से रोडवेज पर बढ़ा 44 करोड़ का अधिभार

तमसा संकेत, संवाददाता



मुफ्त यात्रा के कुल खर्च में 96 प्रतिशत से अधिक हिस्सा दिव्यांगजनों और उनके सहयोगियों का रहा। वर्ष 2024-25 में दिव्यांगजनों ने 42.59 करोड़ की 32.12 लाख यात्राएं कीं। वर्ष 2023-24 में यह राशि 40.57 करोड़ और 2022-23 में 32.20 करोड़ थी। खास बात यह है कि 2022-23 में यात्राओं की संख्या 33.31 लाख थी, जो 2024-25 में घटकर 32.12 लाख रह गई, फिर भी खर्च में 10 करोड़ से अधिक का इजाफा हुआ।

लखनऊ । रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा का खर्च 31 प्रतिशत बढ़कर 44.24 करोड़ रुपये पहुंच गया है। इसमें माननीयों, दिव्यांगों की निःशुल्क यात्राएं शामिल हैं। इस खर्च में 96 प्रतिशत हिस्सेदारी दिव्यांगजनों की है। जबकि माननीयों की बस यात्राओं पर तीन वर्षों में 2.29 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

दरअसल, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम यानी रोडवेज बसों में कुल आठ श्रेणियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलती है। इसमें वर्तमान सांसद व विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व विधान परिषद सदस्य, दिव्यांगजन, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, लोकतंत्र सेनानी, मान्यताप्राप्त पत्रकार और राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पुरस्कृत शिक्षक शामिल हैं। बीते तीन वित्तीय वर्षों में निःशुल्क यात्राओं का खर्च करीब 31 प्रतिशत बढ़कर वर्ष 2024-25 में 44.24 करोड़ पर पहुंच गया है। निगम के आंकड़ों के अनुसार यह खर्च वर्ष 2022-23 में 33.84 करोड़ और 2023-24 में 42.39 करोड़ था। रिकॉर्ड के मुताबिक 2024-25 में निगम के 44.24 करोड़ के दावे के मुकाबले शासन से 41.25 करोड़ की ही वसूली हो सकी, जिससे करीब 2.99 करोड़ का अंतर बना हुआ है। वर्ष 2023-24 में भी 42.39 करोड़ के दावे के सापेक्ष 40.86 करोड़ ही मिल सके थे।

1154 माननीयों की बस यात्राओं पर खर्च हुए 2.29 करोड़

वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों ने अपने सहयोगियों सहित तीन वर्षों में कुल 2.29 करोड़ का मुफ्त सफर किया। वर्ष 2024-25 में यह रियायत 77.12 लाख रही, जबकि 2023-24 में 81.97 लाख और 2022-23 में 70.28 लाख दर्ज की गई थी। निगम के पास यात्राओं की सटीक संख्या दर्ज नहीं है। अकेले वर्ष 2024-25 में प्रदेश के 111 वर्तमान सांसदों-विधायकों और 23 सहयोगियों ने 8.86 लाख की यात्रा की, जो 2023-24 में 8.95 लाख और 2022-23 में 7.42 लाख थी। वहीं 721 पूर्व विधायकों और 147 सहयोगियों ने 57.72 लाख तथा 131 पूर्व विधान परिषद सदस्यों व 21 सहयोगियों ने 10.54 लाख का सफर किया।

लखनऊ में डांडिया नाइट आयोजित

लखनऊ। ओमैक्स द रिसॉर्ट ने नवरात्रि के मौके पर लखनऊ में डांडिया नाइट का आयोजन किया। कार्यक्रम में करीब 500 लोग शामिल हुए। कल्चरल प्रस्तुतियों और लाइव मनोरंजन देखने का मौका मिला। कार्यक्रम की शुरुआत गुजरात से आए कलाकारों की पारंपरिक गरबा प्रस्तुतियों से हुई, जिन्होंने उत्सव में पारंपरिक रंग भर दिए। वहीं, बॉलीवुड डांस ग्रुप ने अपनी जोशीली प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। लाइव बैंड की प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम में संगीत का रंग जोड़ा। लोक संस्कृति और आधुनिक मनोरंजन के इस मेल ने परिवारों और मेहमानों को नवरात्रि मनाने का एक खास अवसर दिया। ओमैक्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित गोयल ने कहा, त्योहार लोगों को साझा परंपराओं के जरिए एक साथ लाते हैं और आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने का अवसर देते हैं। हम संभावित खरीदारों के साथ सार्थक रिश्ते बनाने और उन्हें अपने भविष्य के घर की कल्पना करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लखनऊ में 68500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

डिप्टी सीएम का आवास घेरा, पुलिस टांगकर ले गई

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को 68500 सहायक शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया। नियुक्ति की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान वहां पहुंची पुलिस ने हिरासत में लेना शुरू कर दिया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान मैनपुरी से आए मनोज नाम के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी की तबीयत बिगड़ गई। मनोज को साथियों ने एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। उसके बाद हालत ज्यादा खराब होने पर KGMU में ले जाकर भर्ती कराया। प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है जैसे नारे लगाए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाने का प्रयास किया। पुलिस ने सभी अभ्यर्थियों को टांगकर वहां से ले गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के ऊपर कपड़े फाड़ने अभद्रता के आरोप लगाए। प्रदर्शन करने आए तूफान सिंह ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है।

लखीमपुर में बेटे ने मां बाप को जिंदा जलाया

बाइक से पेट्रोल लाया, आग लगाई, बचने के लिए भागे तो धक्का देकर गिराया, खुद भी झुलसा

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में मां-बाप को इकलौते बेटे ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया। पिता की सोमवार दोपहर 12 बजे लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में मौत हो गई। मां का इलाज लखीमपुर में चल रहा है। वह 50 फीसदी झुलसी हैं।

घटना शनिवार रात 10 बजे की है। मां-बाप को आग लगाने के दौरान वह भी लपटों की चपेट में आया था। उसके हाथ झुलस गए थे। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में लिया है। मामला जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर निघासन कोतवाली क्षेत्र के चखरा गांव का है। यहां बलराम शाह (60) अपनी



पत्नी बैजंती (58) के साथ रहते थे। मकान के आधे हिस्से में उनका इकलौता बेटा सपालू (30) अपनी पत्नी छाया (28) के साथ रहता है। बलराम ठेले पर चाट बेचकर परिवार का गुजारा करते थे, जबकि सपालू यूपी से बाहर मजदूरी करता है। वह एक हफ्ते पहले ही घर लौटा था। पड़ोसियों के मुताबिक, सास बैजंती और बहू छाया के बीच अक्सर झगड़ा होता था। सपालू की भी अपने माता-पिता से नहीं बनती थी। शनिवार रात करीब 10 बजे छाया और बैजंती के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी होने लगी। इसी दौरान सपालू भी वहां पहुंच गया। झगड़े के बीच मां ने उसे दूर रहने के लिए कहा तो वह उनसे भी उलझ गया। घर के अंदर से चीख-पुकार और धुआं उठता देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। दरवाजा बंद होने के कारण ग्रामीण दीवार फांदकर अंदर गए। कड़ी मशक्कत के बाद उन्होंने आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने झुलसे बुजुर्ग दंपती और आरोपी सपालू को निघासन सीएचसी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां बलराम की हालत नाजुक होने पर उन्हें लखनऊ रेफर किया गया। दो दिन इलाज चलने के बाद सोमवार दोपहर बलराम ने दम तोड़ दिया।

पिता को धक्का दिया, फिर पेट्रोल डालकर लगा दी आग

सपालू को झगड़ा करते देख पिता बलराम उसे रोकने लगे। इस पर उसने पिता को धक्का दे दिया। इसके बाद गुस्से में वह बाहर खड़ी अपनी बाइक के पास गया और उससे पेट्रोल निकाल लाया। उसने छप्पर के नीचे खड़े माता-पिता पर पेट्रोल उड़ेल दिया और माचिस से आग लगा दी। आग लगते ही दोनों चीखते हुए बचने के लिए बाहर की ओर भागे, लेकिन सपालू ने बाउंड्री पर लगे गेट को बाहर से बंद कर दिया। इस दौरान जब जलते हुए बलराम भागने लगे तो सपालू ने उन्हें फिर धक्का देकर गिरा दिया। घटना के दौरान आग की लपटों में घिरकर सपालू का हाथ भी झुलस गया।



इसी बाइक से आरोपी बेटे ने पेट्रोल निकाला और घटना को अंजाम दिया था।

> प्रभारी निरीक्षक गोपाल नारायण सिंह ने बताया- मृतक पिता की तहरीर के आधार पर आरोपी बेटे सपालू पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

एलयू में सरस्वती प्रतिमा के सामने छात्रों ने किया हवन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय में हॉस्टल में रूम देने की प्रक्रिया में धांधली के विरोध में छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। महानवमी के अवसर पर धरनारत छात्रों ने सरस्वती प्रतिमा के सामने हवन-पूजन किया। उन्होंने आहुतियां देकर कुलपति, छात्र कल्याण अधिष्ठाता (DSW) और चीफ प्रोवोस्ट को सद्बुद्धि देने की कामना की। छात्रों का कहना है कि अच्छी मेरिट और अंक होने के बावजूद उन्हें छात्रावास नहीं मिल रहा है। खाली सीटों के आवंटन का आधार सार्वजनिक करने की मांग पर भी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हम 5 दिन से यहां लगातार धरना दे रहे हैं लेकिन कोई भी सुनवाई नहीं हो रही है।

उन्नाव के पुरनखेड़ा, त्रिपुरारपुर निवासी कार्तिकेय पटेल ने एमए लोक प्रशासन में 19वीं रैंक हासिल की है। इसके बावजूद उन्हें छात्रावास आवंटित नहीं हुआ। वहीं, प्रयागराज के झलवा-दादानपुर निवासी दिव्यांश पांडेय की बीए में 661वीं रैंक है। उनका घर विश्वविद्यालय से करीब 200 किलोमीटर दूर है, फिर भी उन्हें छात्रावास नहीं मिला। एमए प्रथम वर्ष के अनुराग सिंह तोमर का कहना है कि वह स्नातक की पढ़ाई के दौरान दो साल छात्रावास में रह चुके हैं और 75 प्रतिशत अंक हासिल किए थे।



कुलपति, डीएसडब्ल्यू और चीफ प्रोवोस्ट को सद्बुद्धि देने की कामना 5वें दिन भी धरना जारी

फास्ट न्यूज

आगरा में आज होगा मेघनाद वध

आगरा । रामलीला मैदान में आज मेघनाथ की लीला का मंचन होगा। इसके बाद करीब 90 फुट लंबे मेघनाद के पुतले का दहन किया जाएगा। विशेष आतिशबाजी की जाएगी। इसमें प्रमुख आतिशबाज अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। मीडिया प्रभारी राहुल गौतम ने बताया कि सोमवार शाम सात बजे से लीला का मंचन शुरू होगा। इससे पहले रविवार को राम-कुंभकर्ण के बीच युद्ध हुआ। इस दौरान तीरों की बौछार, तलवार और गदा से वार और तोप के गोलों के धमाकों ने दर्शकों में रोमांच भर दिया।

आगरा में 70% इलाकों में जल संकट

आगरा । आगरा शहर में गंगाजल की आपूर्ति बाधित होने से पानी का संकट गहरा गया है। रविवार को करीब 70% इलाकों में पानी नहीं पहुंचा। कहीं सुबह की आपूर्ति प्रभावित रही तो कहीं शाम को भी नलों से पानी नहीं आया। इससे लोगों को पीने के पानी और घरेलू जरूरतों के लिए परेशान होना पड़ा। जलकल विभाग ने संकट से निपटने के लिए मेरठ के सिंचाई विभाग से मध्य गंगा कैनाल से पानी छोड़ने का अनुरोध किया है। राहत मिलने में करीब दो दिन लगने की उम्मीद है, लेकिन दीपावली तक जलसंकट बने रहने की आशंका है।

आगरा बना सियासी रणनीति का केंद्र

आगरा। स्नातक और शिक्षक MLC चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। मतदान की तारीख नजदीक आने के साथ प्रत्याशियों ने प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। इस चुनाव में आगरा और अलीगढ़ की भूमिका अहम रहने वाली है।

स्नातक MLC चुनाव में अलीगढ़ में सबसे ज्यादा 36,864 मतदाता हैं, जबकि शिक्षक MLC चुनाव में आगरा 15,788 वोटरों के साथ पहले नंबर पर है।

मॉडल श्रद्धा दुबे के घर रायबरेली पहुंची पुलिस

सौतेली मां और पिता से पूछताछ 3 अफसर हटाए गए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/रायबरेली। लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा की हत्या के 10 दिन बाद भी मुख्य आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे का पुलिस पता नहीं लगा सकी है। सोमवार को पुलिस की एक टीम मॉडल श्रद्धा के रायबरेली स्थित घर पहुंची। आधे घंटे तक श्रद्धा के पिता एसपी दुबे और सौतेली मां से पूछताछ की।

उधर, पुलिस से आंखमिचौली के बीच श्रद्धा ने रविवार को एक न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू दिया। श्रद्धा का इंटरव्यू सामने आने के बाद 3 पुलिस अफसरों पर कार्रवाई की गई। रविवार देर रात हजरतगंज थाने के कोतवाल विक्रम सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया।

डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर को हटाकर पुलिस हेड ऑफिस अटैच कर दिया गया। उनकी जगह डीसीपी



ट्रैफिक अर्पित विजयवर्गीय को भेजा गया। सोमवार को एसीपी हजरतगंज रजनीश वर्मा को भी हटाकर क्राइम ब्रांच भेज दिया गया।

9 अक्टूबर को करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा की हजरतगंज स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल से संदिग्ध परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई थी। तभी से श्रद्धा फरार है। दावा है कि वह लखनऊ से सीतापुर होते हुए बहराइच के रास्ते नेपाल पहुंच गई थी। श्रद्धा ने लखनऊ कोर्ट में सरेंडर के लिए अर्जी भी दाखिल की है।

मा0 उप मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार केशव प्रसाद मौर्य ने विभागीय अधिकारियों की साथ बैठक कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

'आवास विहीन पात्रों को आवास योजना से हर हाल में आच्छादित कराना सुनिश्चित करें'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मा0 उप मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनपद फतेहपुर के एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के दौरान लोक निर्माण विभाग के डाक बंगला (सर्किट हाउस) जीटी रोड फतेहपुर में विभागीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों से संबंधित बैठक की। उन्होंने समीक्षा के दौरान बाबा साहब अंबेडकर प्रोत्साहन रोजगार योजना, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना(ग्रामीण), वीबीजी–जी राम जी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला उद्यान विभाग की योजनाएं, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग से संबंधित विकास कार्य, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना एवं अन्य विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर योजनाओं की अद्यतन स्थिति को



जाना और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकासपरक जनकल्याणकारी, निर्माणाधीन परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से चरणबद्ध तरीके से ससमय जनहित में पूरा कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिन लाभार्थियों को आवास आवंटित हो गए है, का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराते हुए पात्रता के आधार पर सभी अनुमन्य योजनाओं(विद्युत कनेक्शन, शौचालय, शुद्ध पेय जल, उज्ज्वला योजना, आदि)से आच्छादित करना सुनिश्चित करें, साथ ही पूर्व में प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है, के लाभार्थी सभी

प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण से संतृप्त लाभार्थी किसी अन्य योजना से वंचित है तो तत्काल आच्छादित किया जाय। केन्द्र/राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभांवित कराए।



आवास योजना से हर हाल में संतृप्त किया जाय

डबल इंजन की सरकार की मंशानुरूप कोई भी परिवार कच्चे/जुग्गी, झोंपड़ी में न रहे, के लिए पात्रता के आधार पर प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना से हर हाल में संतृप्त किया जाय। केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित लाभार्थीपरक जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्रों को लाभांवित किया जाय साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखे कि पात्र व्यक्ति को भटकना न पड़े। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से कानून व्यवस्था के बारे में विस्तर से चर्चा करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था सुदृढ़ रखने के अवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अनुमन्य सुविधाओं से आच्छादित न हो तो आच्छादित करा दे। उन्होंने कहा कि वर्षा के बाद में जो सड़के खराब हो गई है या सड़कों पर गड्ढे हो गए है, को जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण ढंग से जनहित में पूरा कराना सुनिश्चित करें।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान और उनकी शैक्षिक जरूरतों के अनुरूप सहयोग की दिशा में पहल

योगी सरकार में समावेशी शिक्षा को नई दिशा

- प्रदेश के 75 जनपदों में डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता विकास पर जोर
- तकनीक, संवेदनशीलता और समावेशन के माध्यम से प्रत्येक बच्चे को बेहतर शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विद्यालयी शिक्षा को तकनीक, संवेदनशीलता और समावेशन से जोड़ने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार की शिक्षा संबंधी प्राथमिकताओं में प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट आवश्यकताओं को समझना और उसे सीखने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए शिक्षकों को सक्षम बनाना महत्वपूर्ण है। इसी क्रम में प्रशस्त 2.0 के माध्यम से शिक्षकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान और उनकी शैक्षिक जरूरतों को समझने से संबंधित डिजिटल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, अद्यतन प्रदेश के 75 जनपदों में कुल 16,29,945 शिक्षकों में से 9,20,169 शिक्षक प्रशस्त 2.0 पर ऑनबोर्ड हो चुके थे। वहीं, 8,15,309 शिक्षकों ने प्रशिक्षण से संबंधित सभी वीडियो देख लिए थे। यह पहल डिजिटल माध्यम से शिक्षकों की क्षमता विकसित करने और समावेशी शिक्षा की समझ को विद्यालयी व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण है। समावेशी शिक्षा का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे की आवश्यकताओं और क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए उसे सीखने तथा आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशस्त 2.0 के माध्यम से शिक्षकों



> अद्यतन आंकड़ों के अनुसार रामपुर में 90.5 प्रतिशत, पीलीभीत में 88.7 प्रतिशत और लखीमपुर खीरी में 86.3 प्रतिशत शिक्षक प्रशस्त 2.0 पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं। इसी प्रकार, सभी प्रशिक्षण वीडियो देखने वाले शिक्षकों का प्रतिशत रामपुर में 88.3, पीलीभीत में 84.6 और लखीमपुर खीरी में 82.5 प्रतिशत दर्ज है।

डिजिटल प्रशिक्षण से सशक्त हो रहे शिक्षक

शिक्षकों को एप और प्रशिक्षण वीडियो के माध्यम से समावेशी शिक्षा से संबंधित जानकारी दी जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश के कुल शिक्षकों में से 56.5 प्रतिशत शिक्षक पोर्टल पर ऑनबोर्ड हो चुके थे, जबकि 50 प्रतिशत शिक्षकों ने सभी प्रशिक्षण वीडियो देख लिए थे। डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान और उनकी शैक्षिक जरूरतों को समझने से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को बच्चों की विविध आवश्यकताओं के प्रति अधिक जागरूक बनाना और शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग की समझ विकसित करना है।

को डिजिटल प्रशिक्षण देकर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान और उनकी शैक्षिक जरूरतों के अनुरूप सहयोग की समझ विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस दिशा में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि विद्यालय में बच्चों के साथ नियमित संवाद और शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से उनकी जरूरतों को समझने के अवसर मिलते हैं।

शिवा शर्मा हत्याकांड में 'संजय सर' के पहचान की मांग

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । शिवा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में अब आजाद अधिकार सेना ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मामले से जुड़ी आरोपित श्रद्धा दुबे के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों से कथित संपर्कों और विवेचना में संभावित हस्तक्षेप की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। कहा है कि श्रद्धा को संरक्षण दिया जा रहा है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया है कि इस मामले को लेकर विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तियों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस तंत्र से संपर्कों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा, एक वायरल ऑडियो में



बार-बार 'संजय सर' का नाम सामने आने से कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं, जिन्हें लेकर सोशल मीडिया और मेनस्ट्रीम मीडिया में भी चर्चाएं जारी हैं। लिखे गए पत्र में कहा गया कि आरोपी श्रद्धा दुबे की ओर से मीडिया को इंटरव्यू देना, उसका कथित तौर पर फरार होना और पुलिस की कार्रवाई से जुड़े विभिन्न घटनाक्रमों से यह आशंका गहरी होती है कि किसी प्रभावशाली व्यक्ति या समूह की ओर से उसे अनुचित संरक्षण दिया जा रहा है या विवेचना को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

आशुतोष-सौरव की ...

वहीं, CJP ने आरोप लगाया कि दोनों नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है।

CJP की लीगल हेड रत्ना सिंह के मुताबिक, रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील दोपहर 12 बजे से इंतजार के बाद शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। पार्टी का आरोप है कि दोनों नेताओं की रिहाई पर सुनवाई करने के बजाय मजिस्ट्रेट को मिले धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई।

रत्ना सिंह ने सवाल उठाया कि इस मैसेज का दोनों नेताओं की जमानत से क्या संबंध है। उन्होंने कहा कि CJP ने मैसेज भेजने वाले की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। पुलिस ने इन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया है। CJP का आरोप है कि दोनों नेताओं के जमानतदारों के दस्तावेजों की जांच में देरी की गई। पार्टी के मुताबिक, चार जमानतदारों को साफ वजह बताए बिना खारिज कर दिया गया। जमानत के लिए बैंक की मुहर वाली फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद को दोबारा मंजूरी के लिए पेश करने पर भी पार्टी ने सवाल उठाए।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि दोनों नेताओं को जेल में रखने के लिए जमानत की प्रक्रिया में देरी की जा रही है। पार्टी ने कहा कि वह दोनों की रिहाई के लिए आगे भी कानूनी लड़ाई लड़ेगी।

AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें शांति बनाए रखने के लिए स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (SEM) के सामने बॉन्ड भरने को कहा गया है।

यूपी की वोटर लिस्ट...

हालांकि, निर्वाचन अधिकारी ने इस संख्या से असहमति जताई है। ऐसे में डुप्लीकेट प्रविष्टियों की वास्तविक संख्या और उनकी स्थिति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कार्यालय ने यह भी स्वीकार किया है कि एक ही व्यक्ति की ओर से दूसरे मतदाताओं के नाम हटवाने के लिए कई फॉर्म-7 जमा किए जाने की शिकायतें मिली हैं। फॉर्म-7 का इस्तेमाल मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए किया जाता है। इस तरह की शिकायतों को लेकर कार्यालय का कहना है कि पहले भी प्रेस कॉन्फ्रेंस और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से स्पष्टीकरण दिया जा चुका है।

डुप्लीकेट प्रविष्टियों और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर सोशल मीडिया पर जारी बहस के बीच मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से रात करीब एक बजे X पर बयान जारी किया गया। इसके बाद इस मामले पर चर्चा और तेज हो गई। मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर सवाल उठाने वाले लोग डुप्लीकेट प्रविष्टियों के संबंध में स्पष्ट आंकड़े और दस्तावेजी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग कर रहे हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना और त्रुटियों को दूर करना है। ऐसे में प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी डुप्लीकेट प्रविष्टियां मिलने से पुनरीक्षण की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ऐसी प्रविष्टियों की बूथवार संख्या, उनके सत्यापन की स्थिति और उन्हें हटाने के लिए की जा रही कार्रवाई का विवरण कब सार्वजनिक करता है।

फिलहाल, डुप्लीकेट प्रविष्टियों की वास्तविक संख्या और शिकायतों की स्थिति को लेकर स्पष्ट, विस्तृत आंकड़ों का इंतजार है। मतदाता सूची की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इन मामलों का दस्तावेजी विवरण सामने आना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

'अन्यायी कितना ...

शाम 4 बजे गोरखनाथ मंदिर से योगी की पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा निकलेगी। तुरही, नगाड़ों और बैंड-बाजे के बीच वह रथ पर सवार होकर मानस-रोवर मंदिर पहुंचेंगे। यहां भगवान शिव और अन्य देव विग्रहों की पूजा-अर्चना और अभिषेक करेंगे।

इसके बाद शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचेगी। यहां योगी प्रभु श्रीराम, माता जानकी, लक्ष्मण और हनुमानजी का पूजन कर आरती उतारेंगे। इसके साथ ही प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। शोभायात्रा वापस गोरखनाथ मंदिर पहुंचेगी। शाम 7 बजे से मंदिर में पारंपरिक प्रसाद वितरण और गरीब, ब्राह्मण एवं अतिथि भोज का आयोजन होगा। इसमें जाति-मजहब और अमीरी-गरीबी के भेद से परे सर्वसमाज के लोग शामिल होंगे।

CM योगी ने कहा- मेरी पूरी प्रदेशवासियों से अपील है कि आयोजन उत्साहपूर्ण तरीके से होना चाहिए। उस उत्साहपूर्ण माहौल में सुरक्षा की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। हम इस बात को जरूर ध्यान में रखें और विजयादशमी का यह पर्व तो हमें उन सभी विकारों से मुक्त होने का भी एक संदेश देता है। ये विकार किसी भी प्रकार के हों, जो व्यक्तिगत जीवन, पारिवारिक जीवन, सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन को प्रभावित कर रहा हो, राष्ट्र की प्रगति में बाधक हो, उस प्रकार की प्रत्येक विकार को तिलांजलि देकर के उसके पुतले फूंकने का एक कार्यक्रम बनना चाहिए।

मेटा एल्गोरिदम का ...

मेटा इंस्टाग्राम और फेसबुक की मालिक कंपनी है। मंत्रालय ने उससे यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि यूजर्स को किसी एक या सीमित संख्या वाले नैरेटिव का जरूरत से ज्यादा एक्सपोजर न मिले। कॉकरोच जनता पार्टी SIR के विरोध और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है। पार्टी ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। उस दिन सुबह CJP फाउंडर अभिजीत दीपके, सौरव व आशुतोष को दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट से ही पुलिस ने हिरासत में लिया था।

अहमदाबाद सीरियल ...

धमाकों के बाद पुलिस ने अहमदाबाद की सभी ब्लास्ट साइट्स और सूरत में मिले बमों के मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कीं। बाद में करीब 35 मामलों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया।

सभी मामलों को एक साथ जोड़ने के बाद 2009 में इस केस का ट्रायल शुरू हुआ। जांच और अदालत की सुनवाई 12 साल तक चली। करीब 80 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला। कोरोना के समय भी सुनवाई बंद नहीं हुई।

प्रॉसिक्यूशन ने जज एआर पटेल की अदालत में 1,100 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज कराए। कोर्ट में 6,000 से अधिक दस्तावेज पेश किए गए। मामले में 5,47 चार्जशीट के कुल 3,47,800 पन्ने दाखिल किए गए, जबकि सिर्फ मुख्य चार्जशीट ही 9,800 पन्नों की थी।

एसीपी हजरतगंज ...

और आला अधिकारियों के होश उड़ गए। इस बीच पुलिस ने श्रद्धा के एक करीबी को हिरासत में लेकर सुल्तानगंज चौकी में तीन घंटे से ज्यादा समय तक बैठाकर पूछताछ की, मगर हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा। जब इस पूरे ड्रामे और नाकामी को लेकर उच्चाधिकारियों और डीजीपी मुख्यालय ने जवाब-तलब किया तो जिम्मेदार बगलें झांकने लगे, जिसके तत्काल बाद महज एक घंटे के भीतर लापरवाह अफसरों को कुर्सी से बेदखल करने की ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू हो गई।

भारत न बांग्लादेश...

दरअसल एक दिन पहले रिजिजू ने विपक्ष पर आरोप लगाया था कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। उन्होंने X पर लिखा था कि भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं। थरूर ने कहा कि लोकतंत्र किसी की ओर से दिया गया उपहार नहीं है। हम भारत के आम नागरिक इसके संरक्षक हैं। हर भारतीय नागरिक को अपने लोकतंत्र की रक्षा करने का अधिकार है। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूं कि हम चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं से अपेक्षा कर रहे हैं कि वे जिम्मेदारी से काम करें।

मोना अग्रवाल पहले और अवनी लेखरा दूसरे नंबर पर रहीं, मोना को 9 महीने की उम्र में हुआ पोलियो

पैरा एशियन गेम्स- भारत को एक ही इवेंट में गोल्ड-सिल्वर



खेल

नई दिल्ली, एजेंसी

शूटर मोना अग्रवाल और अवनी लेखरा ने पैरा एशियन गेम्स में भारत को पहले दिन सोमवार को 2 पदक दिलाए। मोना ने गोल्ड और अवनी ने सिल्वर जीता।

ये दोनों मेडल R2 विमेंस 10 मीटर राइफल शूटिंग की SH1 कैटेगरी में आए। इसमें कमर से नीचे की दिव्यांगता वाले शूटर हिस्सा लेते हैं। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स में मोना ने 250.0 अंक और अवनी ने 249.6 अंक हासिल किए।



कोरिया की युनरी ली ने 227.9 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना अग्रवाल राजस्थान की पैरा-शूटिंग खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 8 नवंबर 1987 को हुआ था। नौ महीने की उम्र में उन्हें पोलियो हुआ था और दोनों पैर प्रभावित हुए।

पैरा-शूटिंग शुरू करने से पहले मोना पैरा-एथलेटिक्स और पैरा-पावरलिफ्टिंग में हिस्सा लेती थीं। उन्होंने महिलाओं की सिटिंग वॉलीबॉल में भी अहम भूमिका निभाई।

राजस्थान महिला टीम की कप्तान भी रह चुकी हैं मोना

2019 में मोना ने राजस्थान की महिला टीम की कप्तानी की। टीम ने पहली नेशनल सिटिंग वॉलीबॉल चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। मोना ने दिसंबर 2021 में राइफल शूटिंग शुरू की। 2022 में उन्होंने नेशनल लेवल पर सिल्वर जीता। 2023 में मोना ने ओसिजेक, क्रोएशिया में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप के मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। उसी साल चांगवोन के वर्ल्ड कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग SH1 कैटेगरी में गोल्ड जीता।

आखिरी शॉट तक चला गोल्ड मेडल मैच

जयपुर की दोनों निशानेबाजों के बीच मुकाबला 24 शॉट के फाइनल के आखिरी शॉट तक चला। निर्णायक शॉट से पहले मोना 0.1 अंक की बढ़त पर थीं। उस समय स्कोर 239.1 और 239.2 था। मोना ने आखिरी शॉट में 10.8 अंक हासिल किए। अवनी ने 10.5 अंक बनाए। अवनी के सिल्वर मेडल से भारत को 2028 लॉस एंजिल्स पैरालंपिक्स के लिए दूसरा कोटा स्थान मिला। मोना ने पिछले महीने साउथ कोरिया में वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट (WSPS) वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर जीतकर पहला कोटा दिलाया था। PMO ने दोनों शूटर्स को बधाई दी

साउथ कोरिया की आन सी-यंग ने डेनमार्क ओपन जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ कोरिया की आन से-यौंग ने बैडमिंटन के विमेंस सिंगल्स में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने रविवार को डेनमार्क ओपन के फाइनल में जापान की अकाने यामागुची को 21-23, 21-14, 21-18 से हराया।

डेनमार्क के ओडेंस शहर में मिली इस जीत के साथ सी-यंग के इंटरनेशनल टाइटल की संख्या 47 हो गई। उन्होंने इंडोनेशिया की दिग्गज सुसी सुसांती (46 टाइटल) के 29 साल पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने इसकी पुष्टि की। BWF के रिकॉर्ड 1989 से रखे जा रहे हैं और इनमें रीजनल टूर्नामेंट में जीते खिताब शामिल नहीं हैं। BWF ने 24 साल की एन सी-यंग को 'ऑल टाइम ग्रेट' बताया।

जीत के बाद सी-यंग ने कहा, 'मैं बहुत इतिहास बनाना और रिकॉर्ड तोड़ना चाहती हूं, लेकिन एक समय



यह 47वां खिताब, सबसे ज्यादा बैडमिंटन टाइटल जीतने वाली महिला खिलाड़ी

में एक मैच पर ध्यान देती हूं।' उन्होंने कहा, 'यही मेरी प्रेरणा है। दर्शक मेरे लिए आते हैं और मुझे खुशी है कि लोग मेरा हर मैच पसंद करते हैं।'

दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी अन लगातार 105 हफ्तों से शीर्ष रैंकिंग पर हैं। उन्होंने 2025 में एक सीजन में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते थे। इस साल भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी है। आन से-यौंग फाइनल में यामागुची के खिलाफ पहला गेम 21-23 से हार गई थीं।

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बराबर किया

नई दिल्ली, एजेंसी

पैरा एशियन गेम्स में 704 अंक लिए, भारतीय महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में नंबर-1

बिना हाथ की तीरंदाज शीतल देवी ने नागोया में चल रहे पैरा एशियन गेम्स में सोमवार को वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। जोकि तुर्की की ओज्नुर गिर्डी के नाम था।

19 साल की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में 720 में से 704 अंक हासिल किए। शीतल ने 72 तीरों में 57 बार परफेक्ट 10 लगाए। इनमें 32 शॉट लक्ष्य के सबसे अंदरूनी स्कोरिंग जोन में लगे। पेरिस पैरालिंपिक की कांस्य पदक विजेता शीतल ने पायल के साथ भारत को महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर पहुंचाया। भारत ने 1,379 अंक के साथ चीन को पीछे छोड़ा।

जम्मू-कश्मीर की शीतल ने महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में लगभग हर शॉट पर सटीक निशाना लगाया। उनके 32 शॉट लक्ष्य के



सबसे अंदरूनी हिस्से में लगे, जिन्हें X कहा जाता है।

शीतल ने पिछला एशियन रिकॉर्ड छह अंकों से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड 698 अंक का था। 704 अंक के साथ उन्होंने एशियन पैरा गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया। मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन शीटल ने अपना एशियन पैरा गेम्स रिकॉर्ड भी बेहतर किया। उन्होंने 2023 में हांगझोउ में 680 अंक बनाए थे।

एशियन गेम्स में डेब्यू कर रहीं पायल ने भी महिला कंपाउंड क्वालिफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 675 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया।

ओडिशा की चारों अंगों से दिव्यांग पायल इस साल अप्रैल में चर्चा में आई थीं। उन्होंने बैंकॉक में वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में गोल्ड जीता था।

उस मुकाबले में पायल ने शीतल को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब दोनों के प्रदर्शन ने भारत की व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में पदक की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। शीतल और पायल के कुल 1,379 अंकों से भारत महिला कंपाउंड टीम क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा।

टेस्ट को प्राथमिकता देने की सलाह दी, न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा

बुमराह वर्ल्डकप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें : रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बुमराह के ज्यादा इस्तेमाल से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जसप्रीत बुमराह को अगले साल के अंत में होने वाले ODI वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट नहीं खेलना चाहिए। शास्त्री ने रविवार देर रात स्टार स्पोर्ट्स में कहा कि बुमराह टेस्ट क्रिकेट खेलें। वनडे और T20 में उन्हें कभी-कभार ही उतारा जाए, ताकि वह चोट से बच सकें।

बुमराह न्यूजीलैंड दौरे से कॉम्पिटिटिव क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। वे कीवियों के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के लिहाज से अहम है।



मुझे नहीं लगता कि उसे ODI वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट खेलने चाहिए। उसे टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहिए और वनडे-टी20 में कभी-कभार उतरना चाहिए। उसे पूरी सीरीज या हर मैच नहीं खेलना चाहिए। मैं उसे टेस्ट मैचों के लिए बचाकर रखना चाहूंगा। यह बहुत जरूरी है। वह भारतीय टीम का अहम सदस्य है। इसके बाद बाकी फॉर्मेट में उसका इस्तेमाल सीमित तौर पर होना

न्यूजीलैंड दौरे पर गिल की कप्तानी की परीक्षा

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज पर सबसे ज्यादा ध्यान है। ऐसे में विदेशी दौरे पर टीम की कप्तानी को लेकर भी चर्चा हो रही है। शुभमन गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ सीरीज में अपनी कप्तानी साबित की थी। यह विदेशी कप्तान के तौर पर उनका पहला दौरा था। गिल ने उस सीरीज में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए थे।

चाहिए। यह एक कड़ी परीक्षा है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में उसे हराना आसान नहीं है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया को उस पर बढ़त हासिल रही है।' उन्होंने आगे कहा, "विदेशी दौरे पर एक युवा कप्तान के लिए यह अच्छा चैलेंज होगा।" टेस्ट सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में गिल सिर्फ डॉन ब्रैडमैन से पीछे हैं। ब्रैडमैन ने एक सीरीज में 810 रन बनाए थे। इसके बाद गिल ने अपने दूसरे विदेशी दौरे में श्रीलंका के खिलाफ 1-0 से सीरीज जीती।



भुवनेश्वर कुमार के चयन को शास्त्री ने सही बताया

पिछले 24 महीनों में भुवनेश्वर कुमार ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके बाद भारतीय टीम में उनका चयन स्वाभाविक था। शास्त्री ने इसे 'नो-ब्रेनर' बताया।

उन्होंने कहा, 'अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। इसे बाजार से खरीदा या बेचा नहीं जा सकता। IPL में उन्होंने जिस तरह का फॉर्म दिखाया, उसके आधार पर वह न्यूजीलैंड की परिस्थितियों के लिए आदर्श होंगे।'

मनोरंजन

कोटा से पकड़ाए, एक बिहार, 2 हरियाणा के, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने दिया कॉन्ट्रैक्ट

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के आरोपी नेपाल भागने वाले थे

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'पुणे जयपुर एक्सप्रेस के जनरल कोच से भागे थे। सुबह 10.30 बजे कोटा पहुंचे थे। वहीं से हिरासत में लिया गया।'

मुंबई। मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में राजस्थान पुलिस ने सोमवार सुबह 10:30 बजे 3 आरोपियों को कोटा से पकड़ लिया।

सभी आरोपी पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जाना चाहते थे। इसके बाद इनका प्लान बस से दिल्ली के रास्ते नेपाल भागना था, लेकिन पुलिस ने उन्हें कोटा रेलवे स्टेशन पर ही पकड़ लिया।

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने महज 15 मिनट में ट्रेन की तलाशी लेकर तीनों को पकड़ लिया।'

पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने कॉन्ट्रैक्ट दिया था। 3 संदिग्धों में से 2 हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। फायरिंग में उनके ड्राइवर को भी चोट लगी।

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, वारदात के बाद ये तुरंत रवाना हो गए थे। इनका प्लान था कि ट्रेन से पहले जयपुर पहुंचें, फिर बस से दिल्ली जाकर वहां से नेपाल निकल जाएं।



टाइगर श्रॉफ पर हमले के 3 आरोपी राजस्थान के कोटा से पकड़ाए हैं।

आरोपी के पिता बोले- बेटा वेल्डिंग का काम सीखने घर से गया था

गिरफ्तार रेहान के पिता रिशुद्दीन बोले- वह कई साल पहले वेल्डिंग का काम सीखने की बात कहकर घर से गया था। पत्नी के साथ विवाद चल रहा है। इसी कारण वह 10 साल से अलग रह रही है। रेहान उसी के साथ रहता है।

CPI(M) नेता वृंदा करात ने कहा, स्देश की आर्थिक राजधानी में इस तरह की घटना, दिनदहाड़े गोलीबारी, होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे पता चलता है कि हमारी खुफिया एजेंसियों को अंडरवर्ल्ड की गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं है। राजस्थान की कोटा पुलिस आज दोपहर 1:00 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करेगी। इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच तीनों आरोपियों को अपनी कस्टडी में लेकर मुंबई रवाना होगी।

एसपी कोटा ने बताया- मुंबई पुलिस की सूचना पर पकड़ा

एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'कल टाइगर पर हमला हुआ था। हमें इसके बारे में आज मुंबई पुलिस से जानकारी मिली। उन्होंने कहा था तीनों ट्रेन से कोटा पहुंचने वाले हैं। जैसे ही हमें पता चला हमने सिर्फ 15 मिनट में पूरी ट्रेन की जांच की और इस दौरान हमने तीनों को पकड़ लिया।'

टीवी पर 'अप्सरा' बनकर कमबैक कर रहीं अविका गौर

एक्ट्रेस ने शेयर किया अपना एक्सपीरियंस

नई दिल्ली, एजेंसी

अविका गोर, स्टार प्लस के आने वाले सुपरनैचुरल शो 'अप्सरा' में 'अप्सराओं की रानी' के रूप में टेलीविजन पर वापसी कर रही हैं। शो के शानदार प्रीमियर एपिसोड में वह अपनी दमदार मौजूदगी, ग्रेस और गहरी भावनाओं के साथ नजर आएंगी।

समुद्र मंथन से प्रेरित, मुक्ता ढोंड के इस प्रोडक्शन में समीक्षा जायसवाल 'सुनहरी' का किरदार निभा रही हैं। कहानी में सुनहरी बुरी ताकतों से लड़कर अमृत की रक्षा करती है और साथ ही अपने लोगों को भी सुरक्षित रखती है। इस शो में पारस कलनावत, अनुष्का मर्चंडे और अदा खान भी अहम भूमिकाओं में हैं। शो से जुड़ने के बारे में बात



करते हुए, अविका कहती हैं, 'मेरे लिए किरदार और कहानी मायने रखती है, मीडियम कोई भी हो। जब मुझे यह किरदार मिला, तो इसमें मौजूद कई लेयर्स देखकर मैं प्रभावित हो गई। यह पावरफुल और प्रभावशाली है लेकिन साथ ही उसमें कुछ कमजोरियां भी हैं। इस किरदार को निभाने से मुझे रोमांस और एक्शन से लेकर भावनात्मक पलों और डांस तक, सब कुछ एक्सप्लोर करने का मौका मिला।



80 साल की अरुणा ईरानी का छलका दर्द काम पर लौटीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी (Aruna Irani) के पति और फिल्म निर्माता कुकू कोहली (Kuku Kohli) का 25 अगस्त 2026 को निधन हो गया था। वह 77 साल के थे। उनके निधन दिल का दौरा पड़ने की वजह से हुआ।



इस बीच अरुणा ईरानी काफी परेशान दिखाई दीं। अंतिम संस्कार के समय भी कई लोग उन्हें ढांढस बंधाते नजर आए। फिलहार एक्ट्रेस ठीक हैं और निधन के करीब दो महीने बाद काम पर लौट आई हैं। 80 साल की उम्र में एक्ट्रेस ने जिस तरह से काम के प्रति समर्पण दिखाया है वो वाकई काबिल-ए-तारीफ है।

इसी के साथ ही उन्होंने इस मुश्किल समय में उनका साथ देने के लिए अपने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया है। एक्ट्रेस ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को धन्यवाद दिया। भावुक होते हुए उन्होंने कहा, 'कुक्कू जी के निधन के बाद आप सभी ने मुझे जो प्यार और स्नेह दिया है, उसके लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूं। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि इतने मुश्किल समय में आप सभी मेरे साथ खड़े रहे।'

अनिल कपूर का गला दबाया, गुस्से में फाड़ी जींस, लड़ाई में पैर में घुसी रॉड

69 साल के हुए सनी

नई दिल्ली। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी कल्ट फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर अनुराग कश्यप अपने करियर की शुरुआत में स्ट्रगल कर रहे थे। इसी दौर में उन्हें एक फिल्म डायरेक्ट करने का मौका मिला। अनुराग इस कहानी को लेकर हिंदी सिनेमा के एक दिग्गज एक्टर के पास पहुंच गए। कहानी सुनते ही एक्टर की आंखों में काम करने की चमक लौट आई। उन्होंने कहा, "बेटा, बहुत समय हो गया है मेरे मुंह पर मेकअप नहीं लगा। बहुत अच्छी कहानी है तुम्हारी, करते हैं।"

दिग्गज एक्टर के साथ काम करना अनुराग के लिए किसी सपने के सच होने जैसा था, लेकिन तभी कहानी में एक ट्विस्ट आया। एक्टर के बेटे को पता चला कि फिल्म के आखिर में उसके पिता के किरदार की मौत हो जाती है। उसने तुरंत



सनी ने 'आप की अदालत' जैसे कई इंटरव्यू में यह बताया कि जब घर के सभी लोग सो जाते थे, तो वे चुपके से गाड़ी की चाबी उठाते और गाड़ी लेकर निकल जाते थे। इस दौरान उन्होंने कई बार गाड़ियों को टक्कर भी मार दी थी।

अपने पिता को फिल्म करने से मना कर दिया। सनी देओल बचपन से ही काफी शरारती थे। उन्हें गाड़ियां चलाने का इतना शौक था कि महज 12-13 साल की उम्र में ही उन्होंने चोरी-छिपे कार चलानी शुरू कर दी थी। शुरुआत में वे ड्राइवर की गोदी में बैठकर भी कार चलाते थे। मैशेबल इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में सनी ने बताया था कि वह अपनी कार में तलवारें, धातु की छड़ें और हॉकी स्टिक रखते थे।दमदार डायलॉग और एक्शन के लिए मशहूर सनी की असल जिंदगी में भी कई बार लड़ाइयां हुईं। सनी की एक लड़ाई इतनी खतरनाक थी कि वह अकेले कई लोगों से भिड़ गए थे और उन पर रॉड से हमला हुआ था।

बचपन में धर्मेंद्र के को-एक्टर को गोली मारने निकले

साल था 1961 और सनी देओल महज 4 साल के थे। एक दिन उनके घर पर ऐसा शख्स पहुंचा, जिसे देखकर नन्हे सनी को गुस्सा आ गया। उन्होंने एयर गन उठाई और पूरे घर में घूमने लगे। जब मां प्रकाश कौर ने पूछा कि आखिर वह कर क्या रहे हैं, तो सनी गुस्से में बोले, "मैं इसे गोली मारूंगा। इसने मेरे पापा को मारा था।" दरअसल, सनी ने अपने पिता धर्मेंद्र की 1961 में आई फिल्म 'शोला और शबनम' देखी थी। फिल्म में अभिनेता एम. राजन ने धर्मेंद्र के किरदार के साथ मारपीट की थी। नन्हे सनी के मन में यह बात बैठ गई कि इस शख्स ने उनके पापा को मारा है। उन्हें यह समझ नहीं आया कि पर्दे पर दिखने वाली लड़ाई सिर्फ एक्टिंग थी। संयोग से कुछ समय बाद एम. राजन असल जिंदगी में धर्मेंद्र से मिलने मुंबई के खार स्थित उनके घर पहुंचे। उन्हें देखते ही सनी को फिल्म वाला वही सीन याद आ गया।

रस्सी के सहारे उतर रहा था, स्टेडियम में 23 हजार लोग मौजूद थे

अमेरिका में 170 फीट ऊंचाई से गिरकर सैनिक की मौत

हादसा

सैन एंटोनियो, एजेंसी

अमेरिका के सैन एंटोनियो में एक सैनिक की 170 फीट की ऊंचाई से गिरने की वजह से मौत हो गई। सैनिक शनिवार को अलामडोम स्टेडियम में एक फुटबॉल मैच से पहले रस्सी से उतरने का लाइव डेमो दे रहा था।

इसी दौरान उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह तेजी से जमीन पर गिर गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद भी फुटबॉल मैच रद्द नहीं किया गया। AP के मुताबिक, करीब 10 मिनट की देरी के बाद मैच शुरू हो गया। यह मैच सेना में काम कर चुके और काम कर रहे सैनिकों के सम्मान में रखा गया था। यह यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट सैन एंटोनियो (UTSA) और नेवी के बीच हुआ।

UTSA ने घटना पर दुख जताते हुए कहा, ₹हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं प्रभावित सैनिक, उसके परिवार और सेना में उसके साथियों के साथ हैं।

इस कार्यक्रम में उस सैनिक के अलावा तीन अन्य सैन्यकर्मियों को भी रस्सी के सहारे नीचे उतरने के प्रदर्शन में हिस्सा लेना था।

सैन्य प्रदर्शन में शामिल जवानों को कॉम्बैट कंट्रोलर बनने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें हेलिकॉप्टर से 100 फीट से अधिक ऊंचाई पर रस्सी के सहारे तेजी से उतरना होता है। इसका मकसद सैनिकों को ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार करना है, जहां उन्हें कम समय में किसी ऊंची जगह से जमीन पर उतरना पड़े।

इस ट्रेनिंग में उड़ते हुए हेलिकॉप्टर से नीचे उतरने का अभ्यास भी शामिल है। इस दौरान उन्हें रस्सी पकड़ने, शरीर का संतुलन बनाए रखने और तेजी से नीचे पहुंचने का अभ्यास कराया जाता है।



हादसे के दौरान स्टेडियम में 23 हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। सैनिक की पहचान उजागर नहीं हुई है।

अमेरिकी वायुसेना की ट्रेनिंग यूनिट में तैनात था सैनिक

हादसे के समय दर्शक स्टैंड में बैठे थे और मैदान के पास एक बैंड भी मौजूद था। हादसे के बाद मैदान पर करीब 10 मिनट तक जवान का इलाज किया गया। इसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रदर्शन के दौरान आखिर क्या हुआ था।



अलामोडोम स्टेडियम में पहले हुए एक प्रदर्शन के दौरान वायुसेना का एक जवान रस्सी के सहारे छत से नीचे उतरता हुआ।

नेतन्याहू को सता रहा अमेरिका से रिश्ते बिगड़ने का डर

बोले- भारत के साथ संबंध मजबूत करना जरूरी

तेल अवीव, एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आशंका जताई है कि भविष्य में इजरायल को अमेरिका में विरोधी प्रशासन का सामना करना पड़ सकता है, जिससे दोनों देशों के सैन्य सहयोग और रणनीतिक साझेदारी पर असर पड़ सकता है।

27 अक्टूबर को होने वाले आम चुनावों से ठीक पहले एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत और लैटिन अमेरिकी देशों के साथ नए अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने होंगे।

नेतन्याहू ने कहा कि अगले दो वर्षों में अमेरिका में सत्ता परिवर्तन हो सकता है और कोई ऐसा राष्ट्रपति सत्ता में आ सकता है जो इजरायल के प्रति सख्त या विरोधी रुख रखता हो। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में इजरायल अमेरिका से कैसे निपटेगा और क्या



कदम उठाएगा, इसके लिए अभी से तैयारी करनी होगी। उनका यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप द्वारा उनके चुनाव प्रचार को दिए गए मजबूत समर्थन के कुछ ही घंटों बाद सामने आया।

इजरायली प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि देश को ट्रंप के मौजूदा कार्यकाल का पूरा इस्तेमाल करते हुए अपनी स्थिति मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल को अमेरिका के साथ संबंधों को संभालने के साथ-साथ दुनिया के अन्य हिस्सों में नए विकल्प तलाशने होंगे, ताकि किसी भी संभावित अमेरिकी नीति परिवर्तन का असर देश पर न पड़े।

फास्ट न्यूज

मंगल के चंद्रमा 'फोबोस' से मिट्टी का सैंपल लाएगा जापान का स्पेसक्राफ्ट

जापानी अंतरिक्ष एजेंसी मंगल ग्रह के दो चंद्रमाओं में से एक 'फोबोस' से मिट्टी के नमूने लाने के दुनिया के पहले ऐतिहासिक मिशन 'माईशियन मून्स एक्सप्लोरेशन' को लॉन्च करने जा रही है। जापानी नेतृत्व वाले इस मिशन का उद्देश्य यह समझना है कि मंगल के चंद्रमा फोबोस और डीमोस का निर्माण कैसे हुआ, सौर मंडल की उत्पत्ति कैसे हुई और क्या कभी मंगल पर सूक्ष्मजीव जीवन मौजूद था।

इजरायल से ऑस्ट्रिया जा रही फ्लाइट को मिली बम की धमकी

तेल अवीव। इजरायल के तेल अवीव से ऑस्ट्रिया के वियना जा रही ऑस्ट्रियन एयरलाइंस की फ्लाइट (OS82) में बम की धमकी मिली है, जिसके बाद बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

बम की धमकी की सूचना मिलने के बाद विमान को बुल्गारियाई वायुसेना के मिग-29 लड़ाकू विमान के संरक्षण में सोफिया हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतारा गया। विमान में सवार सभी 51 यात्रियों और चालक दल के 6 सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है ।

रिहायशी इमारत और मेट्रो स्टेशन पर रूस ने की एयरस्ट्राइक

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव में रूस ने देर रात एयर-स्ट्राइक की। इस हमले में शहर के एक मेट्रो स्टेशन, एक 25 मंजिला आवासीय इमारत और एक चिकित्सा केंद्र को भारी नुकसान पहुंचा है। रॉयटर्स के अनुसार, रूसी हमलों से राजधानी में नागरिक बुनियादी ढांचे को खतरा जारी रहने के बीच, क्लिट्स्को ने टेलीग्राम पर एक बयान में हताहतों और नुकसान की पुष्टि की।

यूरोप के 6 देशों में शिक्षा महंगाई पर प्रदर्शन

फ्रांस में आगजनी-लूटपाट, इटली में स्कूलों पर कब्जा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोप के 6 देशों में पढ़ाई का बढ़ता खर्च, बेरोजगारी और महंगे घरों के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो गए हैं। फ्रांस में प्रदर्शनकारियों ने दुकानों में लूटपाट की और कई सरकारी इमारतों में आग लगा दी।

इटली में छात्रों ने कई स्कूलों पर कब्जा कर लिया। ग्रीस में छात्र हॉस्टल की कमी और बढ़ते किराए के विरोध में संसद के सामने टेंट लगाकर बैठे हैं। बेल्जियम और अल्बानिया में भी प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई और गिरफ्तारियां की गईं। 17 अक्टूबर को 140 शहरों में प्रदर्शन हुए। करीब 8 लाख लोग सड़कों पर उतरे। इसमें छात्र संगठनों के साथ ट्रेड यूनियन और कर्मचारी भी शामिल थे।

पेरिस, मार्सेई और बोर्डो समेत कई शहरों में तोड़फोड़ और



लूटपाट हुई। लीमोज में 143 साल पुराने ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगा दी गई और कई गाड़ियों को जला दिया गया।

18 अक्टूबर तक करीब 1800 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, 500 से ज्यादा पुलिसकर्मियों, सुरक्षाकर्मियों और दमकलकर्मियों के घायल होने की खबर है। प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हिंसा की निंदा की है। सरकार का कहना है कि कुछ हिंसक समूहों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन का फायदा उठाया।

70% लोग साथ रहने के पक्ष में, तेल की कमाई को लेकर 50 साल पुराना झगड़ा

कनाडा से अलग होने पर आज अल्बर्टा में वोटिंग

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को जनमत संग्रह हो रहा है। इसमें लोग तय करेंगे कि प्रांत को कनाडा का हिस्सा बने रहना चाहिए या नहीं।

इप्सोस-ग्लोबल न्यूज के सर्वे में अल्बर्टा के करीब 70% लोग कनाडा के साथ बने रहने के पक्ष में हैं। इसके बावजूद अलग देश बनाने की मांग करने वाले लोग पीछे हटने को तैयार नहीं हैं।

अल्बर्टा में अलग देश बनाने की मांग कोई नई बात नहीं है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह तेल से होने



वाली कमाई और केंद्र सरकार के साथ पैसों के बंटवारे को लेकर नाराजगी है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी खुद अल्बर्टा में पले-बढ़े हैं। वे भी मानते हैं कि प्रांत के लोगों में नाराजगी है। हालांकि, वे अल्बर्टा को कनाडा से अलग करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने लोगों को आगाह किया है कि वे अलग होने के पक्ष में वोट न करें। ऐसा फैसला देश में लंबे समय तक राजनीतिक खींचतान और अनिश्चितता पैदा कर सकता है। अल्बर्टा के मुख्यमंत्री डेनियल स्मिथ ने पिछले साल जनमत संग्रह कराने की प्रक्रिया आसान कर दी थी। इसके बाद आजादी का मुद्दा राज्य की राजनीति में और चर्चा में आ गया।

कार्नी ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण अल्बर्टा के कई लोगों को ऐसा लगता है, जैसे उनके अपने संसाधन भी उनके नहीं हैं। हालांकि सरकार अल्बर्टा के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है।



अल्बर्टा में तेल का चौथा सबसे बड़ा भंडार

अल्बर्टा में दुनिया के प्रमाणित तेल भंडार के मामले में चौथा सबसे बड़ा भंडार है। यहां का तेल उद्योग, रोजगार और कमाई का बड़ा जरिया है।

अलग देश बनाने के समर्थकों का कहना है कि अल्बर्टा केंद्र सरकार को बहुत पैसा देता है, लेकिन उसे बदले में उतना फायदा नहीं मिलता। उनका आरोप है कि प्रांत की कमाई का इस्तेमाल कनाडा के दूसरे हिस्सों की मदद के लिए किया जाता है। वर्ष 2015 में जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री बनने के बाद यह विवाद फिर बढ़ा। उनकी सरकार ने कार्बन टैक्स और प्रदूषण घटाने के लिए कई नियम लागू किए। अल्बर्टा के तेल उद्योग से जुड़े लोगों ने इनका विरोध किया। उनका मानना था कि इन नियमों से तेल का कारोबार प्रभावित होगा।

कनाडा में सैन्य अड्डे पर धमाका, 4 सैनिकों की मौत

रक्षा मंत्री बोले- ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा

अल्बर्टा, एजेंसी

कनाडा के अल्बर्टा प्रांत में सैन्य अड्डे पर शनिवार को जोरदार धमाके के बाद आग लग गई। हादसे में 4 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों गंभीर रूप से घायल हैं। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। रक्षा मंत्री डेविड मैकगिन्टी ने कहा, 'मैंने ऐसा दर्दनाक दृश्य पहले कभी नहीं देखा।' कार्नी के मुताबिक, मृत सैनिकों के परिवारों को सूचना दे दी गई है। उन्होंने कहा कि घटना की स्थिति अभी बदल रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि वरिष्ठ सैन्य और सरकारी अधिकारी रविवार को कनाडियन फोर्सेज बेस वेनराइट में हुए हादसे की विस्तृत जानकारी देंगे। इस सैन्य अड्डे पर 1,300 से ज्यादा सैनिक और कर्मचारी काम करते हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, विस्फोट के बाद तेज हवाओ के



कारण आग सैन्य अड्डे के आसपास तेजी से फैल गई। कई इलाकों से दमकलकर्मी आग बुझाने के लिए पहुंचे। रॉयल एलेक्जेंड्रा अस्पताल के इमरजेंसी डॉक्टर वॉरेन थिर्स्क ने इसे 15 से 25 साल में एक बार होने वाली बड़ी आपदा बताया। उन्होंने कहा कि मरीजों की संख्या इतनी ज्यादा थी कि शहर के स्वास्थ्य केंद्र पूरी तरह भर गए। अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि धमाका कैसे हुआ और आग लगने की वजह क्या थी। रक्षा मंत्री मैकगिन्टी ने कहा कि कनाडा की रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) घटना की जांच कर रही है।

'12000 फीट की ऊंचाई पर खुला दरवाजा'

भारतीय एयर एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग

ढाका, एजेंसी

अगरतला से कोलकाता जा रही एक भारतीय एयर एम्बुलेंस में हवा में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद विमान को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी।

विमान में सवार 56 वर्षीय महिला मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। विमान में सवार अन्य सभी 6 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। यह घटना रविवार को बीचक्राफ्ट किंग एयर C90A विमान के साथ हुई। जब विमान 12000 फीट की ऊंचाई पर था, तभी तकनीकी खराबी के कारण उसका दरवाजा हवा में ही आंशिक रूप से खुल गया।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे



पर सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी।

विमान में सवार थे कुल 7 लोग

विमान दोपहर करीब 1:40 बजे ढाका हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा। इस एयर एम्बुलेंस में दो पायलट, एक डॉक्टर, एक पैरामेडिक, मरीज और उनके दो तीमारदार समेत कुल सात लोग सवार थे। लैंडिंग के तुरंत बाद गंभीर रूप से बीमार मरीज अंजना भौमिक को कुर्मितोला स्पेशलाइज्ड अस्पताल ले जाया गया, जहां शाम 4:40 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96

